25/-₹

हिन्दी साप्ताहिक

विश्वकर्मा किरण

वर्ष-20 अंक-1 जौनपुर 7 जनवरी, 2019 http://www.vishwakarmakiran.com

तुम ही तो हो जिसने मेरा सपना साकार किया

24वीं पुण्यतिथि पर देश ने ज्ञानी जैल सिंह को याद किया

https://www.facebook.com/vishwakarmakiranw/ https://twitter.com/VishKiranNews

रायबरेली जनपद का सर्वोच्च शिक्षण संस्थान

Illuminating global education through Indianic values.

NEW STANDARD GROUP OF INSTITUTES

A Leading chain of English/Hindi Medium Schools/Colleges affiliated to CBSE New Delhi, UP Board Allahabad & CSJM University Kanpur

S K Sharma
Founder Manager

Phone: 0535-2217400, 2212788, 2000700, 05311-212700 Fax : 0535-2217500
Website: www.nsscindia.org; E-mail : managernsgi@gmail.com
principalnspst@gmail.com, principalnsbvm@gmail.com, principalnspsm@gmail.com, principalnspss@gmail.com, principalnsche@gmail.com

Rashmi Sharma
Joint Secretary

Outstanding performance by 12 students in JEE (Main)-2018

PRABHAT YADAV

RAJEEV RANJAN

RISHABH AGRAHARI

NISHANT GUPTA

RAHUL YADAV

SHREYA JAISWAL

MOHD IMRAN

MAHESH KUMAR

ALOK KUMAR

MANMOHAN

ANUJ SONI

ANKUSH

Intermediate Board Result-2018

Total Student- 627, Above 75%- 335 Above 80%- 183
Above 85%- 61 Above 90%- 1

High School Board Result-2018

Total Student- 661, Above 75%- 443 Above 80%- 262
Above 85%- 106 Above 90%- 10

RITESH SHARMA
90% IN INTERMEDIATE 2018

SANATSH KUMAR
89.6% IN INTERMEDIATE 2018

ANSHITA MISHRA
89.2% IN INTERMEDIATE 2018

RISHANSH SINGH
89% IN INTERMEDIATE 2018

SURAJ CHAUDHARY
91.5% IN HIGH SCHOOL 2018

KARTIKEY YADAV
91.5% IN HIGH SCHOOL 2018

SWATI
90.8% IN HIGH SCHOOL 2018

SHIVANG AGRAHARI
90.8% IN HIGH SCHOOL 2018

International Maths Olympiad-2017 (Level-I) Qualifiers 63 qualified for level-2

SAHITYA
IMO
CLASS-3

SHREYA SINGH
IMO
CLASS-4

PALAK YADAV
IMO
CLASS-5

Akhya Gupta
IMO
CLASS-6

HIMANSHU
IMO
CLASS-7

SHRAVAN K. MISHRA
IMO
CLASS-8

SAKSHI MISHRA
IEO
CLASS-8

ANSHIKA VAISH
IMO
CLASS-9

ARPITA SINGH
IMO
CLASS-9

ANSHIKA GUPTA
IMO
CLASS-10

AYUSH TRIVEDI
IMO
CLASS-10

RESHU SINGH
IMO
CLASS-11

AKANKSHA SINGH
IMO
CLASS-12

OUR INSTITUTIONS

New Standard Public School
Secondary School, Salon, Raebareli
Contacts: 05311-212700, 9554959864

New Standard Balika Vidya Mandir
Semri Kothi, Super Market, Raebareli
Contacts: 0535-2212788, 9792972346, 57

New Standard Public School
Intermediate College, Salethu, Maharajganj, Raebareli
Contacts: 0535-2000700, 9792972329, 30, 52

New Standard Public School
Senior Secondary School, Tripula, Raebareli
Contacts: 0535-2217400, 9792972344, 56, 65

New Standard College of Higher Education
(BEd, DElEd, BSc, BA) Salethu, Maharajganj, Raebareli
Contacts: 0535-2000701, 7565000529

New Standard IIT/PMT Academy
Semri Kothi, Super Market, Raebareli
Contacts: 0535-2212788, 9792972350

R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157
विश्वकर्मा किरण
हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका

वर्ष-20 अंक-1
जौनपुर, 7 जनवरी, 2019
पृष्ठः 32 मूल्यः 25/- रूपया

प्रेरक
रघबीर सिंह जांगड़ा
मो0: 9416332222
*****
सम्पादक
कमलेश प्रताप विश्वकर्मा
मो0: 9454619328
*****
सह सम्पादक
विजय कुमार विश्वकर्मा
मो0: 8763834009
*****
सह सम्पादक
धीरज विश्वकर्मा
मो0: 9795164872
*****
समन्वय सम्पादक
शिवलाल सुथार
मो0: 8424846141
*****
जौनपुर ब्यूरो
संजय विश्वकर्मा
मो0: 9415273179

-:सम्पर्क एवं प्रसार कार्यालयः-
डिजिटल प्वाइंट, कैपिटल बिल्डिंग
(भाजपा कार्यालय के सामने)
त्रिलोकनाथ रोड, हजरतगंज
लखनऊ। 226001

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कमलेश प्रताप विश्वकर्मा द्वारा अजन्ता प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, अहमद काम्प्लेक्स, गुईन रोड, अमीनाबाद, लखनऊ से मुद्रित एवं 98, नारायण निवास, नखास, सदर, जौनपुर से प्रकाशित।
सम्पादक- कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

website: www.vishwakarmakiran.com
E-mail: news@vishwakarmakiran.com

-:मुख्य संरक्षकः-
विश्वकर्मा जागरूकता मिशन

सम्पादकीय...

कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

20वें बसन्त की दहलीज पर विश्वकर्मा किरण

विश्वकर्मावंशीय समाज के बीच पत्रिका के रूप में जब भी "विश्वकर्मा किरण" का नाम आता होगा तो शायद आप सभी पाठकों को उसके नये सिरे से परिचय की आवश्यकता नहीं महसूस होती होगी, ऐसा मेरा विश्वास है। 19 वर्ष का कठिन संघर्ष, जो लगातार आगे भी जारी है के फलस्वरूप अपनी पहचान बनाये रखना बड़ी उपलब्धि है। आप सभी के स्नेह, आशिर्वाद और सहयोग ने इस संघर्ष के लिये बड़ी शक्ति दी है। 6 दिसम्बर, 1999 से 4 पेज के छोटे से अखबार ने आज पत्रिका का रूप ले लिया है जो आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने की पूरी कोशिश कर रहा है।

एक प्रकाशक और सम्पादक के रूप में 'समाज की दशा और दिशा' को अपने संकल्पों में संजोये निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर हूं। पत्रिका प्रकाशन में बाधाएं आती रही हैं और उसका निराकरण भी आप सभी के सहयोग से होता रहा है। समय सभी को आईना दिखाता है जिसे मैंने भी देखा है और देख भी रहा हूं। मुझे समाज के किसी भी व्यक्ति से कोई शिकायत नहीं कि उन्होंने प्रकाशन में सहयोग किया अथवा नहीं। मेरा ही नहीं अपितु सभी सामाजिक चिन्तकों का स्पष्ट मानना है कि साहित्य किसी भी रूप में हो, वह समाज का दर्पण होता है। जिन्होंने इस बात को समझा उन्होंने सहयोग किया, जिनको बाद में समझ आयेगी निश्चित तौर पर वह भी सहयोग करेंगे।

सहयोग और समर्थन किसी भी व्यक्ति के अभिरूचि पर निर्भर होता है। बड़े से बड़े प्रकाशन समूह भी बिना सहयोग के प्रकाशन नियमित नहीं रख पाते हैं। आप सभी के सामने मेरे द्वारा कई बार सहयोग शब्द का प्रयोग किया गया है। इसकी मुख्य वजह यही है कि कई बार लोग भ्रमित हो जाते हैं कि यह पत्र/पत्रिका इनकी निजी है। प्रकाशन जरूर किसी एक व्यक्ति द्वारा किया जाता है परन्तु वह समूह/समाज के लिये ही होता है। प्रकाशन की कठिनाइयों को सिर्फ एक प्रकाशक ही समझ सकता है, चाहे छोटा हो या बड़ा।

हां, यह जरूर है कि "विश्वकर्मा किरण" पत्रिका का प्रकाशन एक बहुत ही गरीब व्यक्ति के द्वारा किया जा रहा है तो खिल्ली उड़ाया जाना भी स्वाभाविक है। परन्तु मैं इस खिल्ली को गलत नहीं मानता बल्कि चुनौती के रूप में स्वीकार करता हूं। हर अच्छे काम में बाधा आती है पर वह टिक नहीं पाती। ठीक उसी तरह खिल्ली और उपहास भी एक दिन रास्ते से हट जायेंगे। सामाजिक एकता और विकास के लिये मेरे द्वारा लिया गया संकल्प आप सभी के आशिर्वाद से निश्चित ही मजबूत स्थिति में होगी ऐसी अभिलाषा है।

"विश्वकर्मा किरण" समाज का स्पष्ट आईना हो, इसके लिये आप सभी के स्नेह और आशिर्वाद के बलबूते संघर्ष जारी है। पुनः स्नेह, आशिर्वाद और सहयोग की आकांक्षा के साथ आप सभी को पत्रिका परिवार की तरफ से 'नववर्ष—2019' की बहुत—बहुत शुभकामनाएं।

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने इस विश्वकर्मावंशी को झुककर किया प्रणाम

रिपोर्ट- कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

पद्म भूषण राम वी सुतार

केवडिया (गुज0)। प्रधानमन्त्री बनने के बाद मैंने एक बड़ा सपना देखा था, मेरे उस सपने को साकार करने वाले शिल्पकार तुम ही हो, मैं तुमको कोटि–कोटि प्रणाम करता हूं। शायद नरेन्द्र मोदी ने पद्म भूषण राम वी सुतार का अभिवादन करते हुये सिर झुकाकर प्रणाम करने के साथ यही कहा। मौका था विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा यानी 'स्टेच्यू आफ यूनिटी' के लोकार्पण समारोह का। गुजारात के मुख्यमन्त्री विजय रूपाणी ने जैसे ही राम वी सुतार को अंगवस्त्र व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया, पास ही खड़े प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ताली बजाते हुये श्री सुतार के पास पहुंचे और हाथ मिलाने के बाद एक कदम पीछे हटते हुये उन्हें झुककर प्रणाम किया। प्रधानमन्त्री द्वारा किसी विश्वकमार्वंशी का इतना बड़ा सम्मान देश के इतिहास में पहली बार हुआ है जिससे पूरा समाज गौरवान्वित है।

गुजरात के केवडिया में नर्मदा नदी के किनारे सरदार सरोवर बांध के नजदीक स्थापित सरदार बल्लभ भाई पटेल की सबसे ऊंची प्रतिमा जिसे 'स्टेच्यू आफ यूनिटी' कहा गया है का लोकार्पण प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया। लोकार्पण मंच पर इस प्रतिमा के शिल्पकार पद्म भूषण राम वी सुतार का सम्मान भी किया गया। राम वी सुतार की बनाई प्रतिमाएं संसद भवन से लेकर देश व विदेश के विभिन्न हिस्सों में स्थापित हैं। अपने जीवन के 92 वर्ष पूर्ण कर चुके राम वी सुतार विश्व के सबसे बड़े मूर्तिकार माने जाते हैं। इन्होंने नोयडा में बड़े भूभाग पर अपना स्टूडियो बना रखा है और कारोबार विदेशों तक फैला है।

स्टेच्यू आफ यूनिटी की कल्पना पद्मश्री राम वी सुतार की है और उन्होंने ही इस प्रतिमा को डिजाइन किया है। इससे पहले भी वे सैकड़ों प्रतिमाएं बना चुके हैं जिसमें संसद भवन परिसर में लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा भी शामिल है।

राम वी सुतार मूल रूप से महाराष्ट्र के एक गांव (गोंदूर) के रहने वाले हैं। उनके पिता कारपेन्टर थे और इस नाते उन्हें शिल्पकला विरासत में मिली थी। शुरूआती पढ़ाई–लिखाई गांव में ही हुई और उसी दौरान गुरु श्रीराम कृष्ण जोशी से मिट्टी में जान डालने की कला यानी शिल्पकारी सीखना शुरू किया। इसके बाद राम वी सुतार ने शिल्पकला के लिए मशहूर जेजे स्कूल आफ आर्ट में दाखिला ले लिया और यहां तमाम बारीकियां सीखी। पढ़ाई पूरी करने के बाद कुछ दिनों तक नौकरी भी की, इसके बाद वर्ष 1958 में वह दिल्ली आ गए। शुरूआत में कुछ दिनों तक लक्ष्मीनगर में रहे और उसके बाद नोएडा में अपना स्टूडियो स्थापित किया।

उ0प्र0 के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अयोध्या में 251 फीट ऊंची प्रतिमा लगाने की घोषणा की गई है, जिसका प्रजेन्टेशन भी राम वी सुतार द्वारा किया गया है।

राम वी सुतार द्वारा डिजाइन की गयी स्टेच्यू आफ यूनिटी का कुल वजन 1700 टन है और ऊंचाई 522 फिट यानी 182 मीटर है। प्रतिमा अपने आप में अनूठी है। इसके पैर की ऊंचाई 80 फिट, हाथ की ऊंचाई 70 फिट, कंधे की ऊंचाई 140 फिट और चेहरे की ऊंचाई 70 फिट है। राम वी सुतार इन दिनों मुंबई के समुंदर में लगने वाली शिवाजी की प्रतिमा की डिजाइन भी तैयार करने में जुटे हैं। पिछले दिनों अमृतसर के वॉर मेमोरियल में लगाई गई दुनिया की सबसे लंबी तलवार को भी सुतार ने ही तैयार किया था। देश-विदेश में अपनी शिल्पकला का लोहा मनवाने वाले राम वी सुतार को साल 2016 में सरकार ने पद्मभूषण से सम्मानित किया था। इससे पहले वर्ष 1999 में उन्हें पद्मश्री भी प्रदान किया जा चुका है। इसके अलावा वे बाम्बे आर्ट सोसायटी के लाइफ टाइम अचीवमेंट समेत अन्य पुरस्कार से भी नवाजे गए हैं। भारत सरकार ने अभी हाल ही में उन्हें 'टैगोर अवार्ड' देने की घोषणा किया है। प्रतिमा लोकार्पण के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह, गुजरात के मुख्यमन्त्री विजय रूपाणी के साथ ही राम वी सुतार के पुत्र मूर्तिकार अनिल सुतार भी मौजूद रहे।

विश्वकमार्वंश की ऐसी महान विभूति को नमन करते हुये 'विश्वकर्मा किरण' पत्रिका परिवार उनके स्वस्थता व दीघार्यु की कामना करता है।

समाजसेवी वेद प्रकाश पांचाल ने गरीब महिलाओं के बीच बांटे सिलाई मशीन व कम्बल

बागपत। अखिल भारतीय विश्वकर्मा पांचाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, शिक्षाविद् व वरिष्ठ समाजसेवी डा0 वेद प्रकाश पांचाल ने गरीब महिलाओं के बीच सिलाई मशीन व कम्बल का वितरण किया। श्री पांचाल ने अन्य जरूरतमंद लोगों को भी कम्बल प्रदान किया। समाज व गरीबों की सेवा को समर्पित डा0 वेद प्रकाश पांचाल ने उपरोक्त पुण्यकारी कार्य अपने मूल गांव धनौरा में किया।

बागपत के धनौरा स्थित इण्टर कालेज के मैदान में आयोजित सिलाई मशीन व कम्बल वितरण समारोह में भाग लेने के लिये दिल्ली से पधारे। उनके साथ युवा नेता संजय पांचाल सहित कई अन्य लोग भी थे। स्थानीय लोगों ने सभी अतिथियों का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर गांव धनौरा के व आसपास के 40—50 गांव के प्रधानों ने डा0 वेद प्रकाश पांचाल का फूल मालाओं, ढोल—नगाड़े व आतिशबाजी के साथ स्वागत किया। अक्सर देखा जाता है कि अपने नाम के लिए तो सभी कार्य करते हैं लेकिन डा0 वेद प्रकाश पांचाल हमेशा समाज की भलाई के लिए व गरीब लोगों के लिए कार्य करते हैं।

वेद प्रकाश पांचाल का समाज सेवा क्षेत्र में बड़ा नाम है। देश के विभिन्न हिस्सों में भी उन्होंने विद्यालय व धर्मशालाओं के लिये भरपूर सहयोग किया है।

संत ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा समाज के अमूल्य रत्न ही नहीं बल्कि देश के महानायक भी थे

''उजाले उनकी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाये''

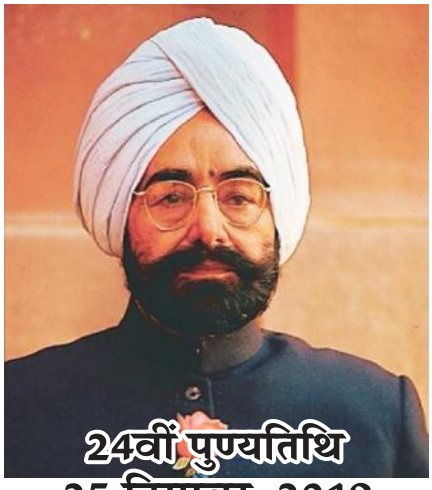

25 दिसम्बर, 2018 के अवसर पर विशेष आलेख

भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह जी इस महान राष्ट्र के एक महान राष्ट्रपति रहे हैं। ज्ञानी जी का जन्म पंजाब में संधवा नाम के एक छोटे से गांव में 5 मई 1916 को विश्वकर्मावंश के साधारण रामगढ़िया परिवार में श्री किशन सिंह जी के तीसरे पुत्र के रूप में हुआ था। ज्ञानी जी का असली नाम जनरैल सिंह था। ज्ञानी जी बचपन से ही होनहार, प्रतिभाशाली व गुणी थे। ज्ञानी जी को अपनी मां के प्रति बहुत श्रद्धा और प्रेम था। ज्ञानी को उनकी मां ने बचपन में उन्हें विशेष रूप से तीन बातों की शिक्षा दी थी- परमात्मा, अपनी माता और मातृभूमि के लिए सच्चा प्रेम। इन्हीं बातों की प्रेरणा से ज्ञानी जी ने 1928 को पंजाब रियासत प्रजा-मंडल की स्थापना की। 25 दिसम्बर, 1994 को एक दुर्घटना के बाद हम सभी के बीच से विदा हो गये।

जब 23 मार्च 1931 को भारत मां के तीन सपूतों-भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को ब्रिटिश सरकार ने फांसी दे दी तो उनके हृदय में देश प्रेम की ज्वाला भड़क उठी और उन्हें अंग्रेजों और राजाओं से नफरत हो गई। ज्ञानी जी का गांव भी तत्कालीन फरीदकोट रियासत के राजा के आधीन था। वे भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे क्रांतिकारियों के सम्पर्क में आये और मोमबत्तियों की लौ पर हाथ रखकर कसम खाई कि मैं भारत मां की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने के लिए तैयार हूं। वह 1932 में रियासती अकाली जत्था के उप प्रधान बने तथा 1934 में फरीदकोट के राजा हरींद्र सिंह के विरूद्ध संघर्ष का शुभारम्भ किया। इसी वर्ष 6 अगस्त 1934 को उनका विवाह हो गया। बताया जाता है कि जब वह जेल में थे तो एक बार किसी बात पर गुस्सा होकर जेलर ने इनसे इनका नाम पूछा तो वे सीना तान कर बोले जेल सिंह। जेलर ने गुस्से में कहा क्या मतलब, जनरैल सिंह ने फिर कहा ''जेल सिंह'' मतलब जेल का शेर। जनरैल सिंह को यातनाएं मिलती रही और वह चीख-चीख कर बोलते रहे जेल सिंह-जेल सिंह। दूसरे कैदियों ने जब इनके इस अदम्य साहस को देखा तो बाद में सब उन्हें जेल सिंह के नाम से पुकारने लगे यहीं से इनका नाम जनरैल सिंह से ज्ञानी जैल सिंह हो गया। 1936 में ज्ञानी के सिर से उनके पिता का साया उठ गया। अगस्त 1636 में ही उन्हें सेक्रेट्री, जिला फरीदकोट अकाली जत्था चुना गया और दो सितम्बर 1936 को स्वर्गपुरी कोटपुरा में एक विशाल सभा का आयोजन किया। जिसके बाद ज्ञानी जी ने 24 जुलाई 1938 में जमींदार सभा की स्थापना की और 1938 में ज्ञानी जी दूसरी बार गिरफ्तार हुए। 1943 तक कठोर कारावास सहन कर अमृतसर, लाहौर, पंजाब साहिब की यात्रा कर 1943 तक मिशनरी के रूप में प्रचार कार्य किया। इसी वर्ष 8 अप्रैल 1943 को राष्ट्र ध्वजारोहण के लिए विशाल जनसभा का आयोजन किया। 8 मई 1943 में ही फरीदकोट में रोण दिवस का आयोजन कर पं. जवाहर लाल नेहरू को आमन्त्रित किया तथा 1947 में अपने द्वारा लिखित पुस्तक 'हम क्या चाहते हैं' का विमोचन किया।

30 जनवरी 1948 को उनके गांधी जी के बलिदान के कुछ समय पूर्व सेठ रामनाथ, बाबू ब्रजभान, इंद्रसिंह चक्रवर्ती के साथ भेंट कर उनसे राष्ट्र के प्रति शिक्षा ग्रहण की। 29 फरवरी 1948 को फरीदकोट के राजा के विरूद्ध एक विशाल सभा एवं जुलूस का ज्ञानी जी द्वारा समायोजन किया गया और 1 मार्च 1948 को ऐतिहासिक बलिदान दिवस समानांतर सरकार की स्थापना की। 20 जनवरी 1948 को ज्ञानी जी को राणे वाला के मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया और 23 मई 1951 को श्री रघुवीर सिंह के मंत्रिमंडल में मंत्री बने। 1954 से 1956 तक पैप्सू कांग्रेस कमेटी के प्रधान रहे। 1956 से 1958 तक राज्य सभा के सदस्य बने। 1962 में सदस्य पंजाब विधानसभा तथा प्रताप सिंह कैरो मंत्रिमंडल में मंत्री बने

और फिर 1972 में 15 मार्च को ज्ञानी जी को पंजाब विधानसभा में कांग्रेसदल का नेता चुन लिया गया।

17 मार्च 1972 को उन्होनें पंजाब के मुख्यमंत्री का पद सम्भाला। पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में ज्ञानी जी ने 10 अप्रैल 1973 को 640 किमी लम्बे गुरू गोविंद सिंह मार्ग की स्थापना का ऐतिहासिक कार्य किया तो 8 सितम्बर 1974 में स्वामी रामतीर्थ की स्थापना की। 1975 में 1 जनवरी को शहीदे आजम भगत सिंह की माताश्री का पंजाब माता के रूप में सम्मान किया तथा इसी वर्ष 2 अक्टूबर को अमरवीर हकीकत राय की मूर्ति का परियाला में अनावरण किया। 4 दिसम्बर 1975 को श्री गुरू तेगबहादुर जी का शहीदी का आयोजन किया। ज्ञानी जी भारतीय भाषाओं के अनन्य समर्थक थे। उनके प्राय: सभी भाषण हिन्दी में होते थे। कभी कभी उर्दू और पंजाबी में भी बोलते थे। अंग्रेजी में भी आवश्यकता अनुसार स्वयं ही अपना भाषण पढ़ते थे। वे भारतीय भाषाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के पक्ष में थे। वे एक विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। भले ही उन्हें किसी विद्यालय या कालेज में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर न मिला हो। उनके ज्ञान का भंडार विशाल था और वे वास्तवित रूप से 'धनी ही थे' आध्यात्मिक क्षेत्र में उनका अध्ययन गहन था। उन्होंने भारत के सभी प्रमुख धर्मो और मतों का अध्ययन किया। सिख मत के तो वे पारंगत विद्वान और ज्ञानी थे ही, बौद्ध, जैन, सनातन और वैदिक मत के सिद्धांतों से भी उनका पूरा परिचय था। कुरान शरीफ उन्होंने जेल में पढ़ी और बाइबिल का भी अध्ययन किया। अपनी मृत्यु से कुछ ही दिन पूर्व वे कोटा में एक चर्च का शिलान्यास कर लौटे थे। 24 जनवरी 1968 को ज्ञानी जी की रिटायर्ड जस्टिस गुरूदेव कमीशन के रू-ब-रू पेसी हुई तथा 8 अगस्त 1972 को गुरूदेव कमीशन की वैधता को पंजाब हाईकोर्ट में चुनौती दी। 8 अक्टूबर 1972 को गुरूदेव कमीशन द्वारा गैरजामनती वारंट जारी हुआ तथा 9 अक्टूबर 1978 को उनकी गिरफ्तारी की पेशगी जमानत।

जनवरी 1980 में वे लोकसभा सदस्य चुने गए और भारत सरकार के गृहमंत्री बनाये गए। ज्ञानी जी ने गृहमंत्री का पद ग्रहण करते ही सबसे पहले स्वतंत्रता सेनानियों को दी जाने वाली पेंशन की शर्तों को उदार बनाया और इसे 'स्वतंत्रता सैनिक सम्मान पेंशन' नाम दिया। उनका कहना था कि यह कोई दान नहीं है। ज्ञानी जी स्वतंत्रता सेनानियों को अपने परिवार का सदस्य मानते थे।

गृहमंत्रित्व काल में ही ज्ञानी जी कानपुर के विश्वकर्मा सम्मेलन के मुख्य अतिथि बने। उन्हें 12 जुलाई 1988 को राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रत्याशी चुना गया। 25 जुलाई 1982 को उन्होंने भारत के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण किया। राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने सभी स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित किया। उन्होंने यह परम्परा भी डाली कि स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस के अवसरोपरांत पहले दिन स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में पार्टी का आयोजन हुआ करेगा। वे लोकतंत्र के पक्के समर्थक थे।

वे कहते थे कि 'विपक्ष को कभी शत्रु नहीं समझना चाहिए। लोकतंत्र की सफलता में विपक्ष का भी सहयोग होता है।' इसलिए राष्ट्रपति बनने के बाद वे सभी राजनैतिक दलों के साथ निष्पक्ष रूप से मिलते थे क्योंकि उनका कोई राजनैतिक दल नहीं रह गया था। बाद में भी इसी नियम पर कायम रहे। 30 सितम्बर-31अक्टूबर 1982 को वे अमेरिका में दिल का आपरेशन कराने गए। टैक्सांस हार्ट इंस्टीट्यूट हास्टेन में सफल ऑपरेशन हुआ। 16 अक्टूबर 1985 में उन्होंने लक्ष्यद्वीप की यात्रा की। 21 जुलाई 1983 को नेपाल की यात्रा की और पुन: 30 अक्टूबर 1983 को विदेशों में यात्रा की। मेहनत परिश्रम व लगन के बल पर एक छोटे से परिवार से उठकर ज्ञानी जी भारत के सच्चे सपूत सिद्ध हुए। ज्ञानी जी कहा करते थे, कि 'परिश्रम का कोई विकल्प नहीं' इसीलिए उन्होंने पूरे जीवन संघर्ष किया। संत ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा समाज के अमूल्य रत्न ही नहीं बल्कि देश के महानायक भी थे। कौन जानता था कि 27 नवम्बर 1994 को यमुना नगर के खालसा कालेज के प्रांगण में कालेज की रजत जयंती के अवसर पर दिए उनके भाषण के यह अंतिम शब्द उनके जीवन की संध्या के संकेत थे। ''उजाले उनकी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाये।''

उस दिन वे बड़े प्रसन्नचित और स्वस्थ नजर आये थे। उसी दिन शाम को वे चंडीगढ राजभवन में विश्राम के लिए चले आये। यहां वह दो दिन के विश्राम के लिए आये थे। 29 नवम्बर 1994 को आनंद साहिब में मत्था टेककर वापस आते समय दुर्भाग्यवश रोपण के निकट एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो जाने के बाद चंडीगढ़ के पीजीआई अस्पताल में 26 दिनों तक जीवन-मृत्यु से संघर्ष किया। किन्तु अंतिम संघर्ष में 25 दिसम्बर 1994 को प्रात: सात बजकर 24 मिनट पर हम सबसे तथा राष्ट्र से विदा हो गए। ज्ञानी जी अपनी कृतियों के लिए हम सबके बीच सदा-सदा के लिए अमर रहेंगे।

विश्वकर्मा समाज सदैव उन्हें यादों में संजोये पुण्यतिथि व जन्मतिथि मनाता है जबकि कांग्रेस उन्हें भूल चुकी है।

ऐसे राष्ट्रपुरूष को शत-शत नमन।

विश्वकर्मा ब्रिगेड का गठन, आशुतोष विश्वकर्मा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

लखनऊ। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा ने उत्तर प्रदेश में 'विश्वकर्मा ब्रिगेड' का गठन कर दिया है। ब्रिगेड के अध्यक्ष पद पर बिजनौर के आशुतोष विश्वकर्मा को नियुक्त किया गया है। महासभा द्वारा संचालित अखिल भारतीय युवा विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा को ही 'विश्वकर्मा ब्रिगेड' का रूप दिया गया है। चूंकि युवा महासभा पहले से ही कार्यरत है, लिहाजा कई जनपदों में अध्यक्ष भी नियुक्त कर दिये गये हैं। ब्रिगेड के गठन के बाद लखनऊ स्थित दारूलशफा ए—ब्लाक कामन हाल में पहला प्रान्तीय सम्मेलन सम्पन्न हुआ जिसके मुख्य अतिथि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा रहे।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये पूर्व मन्त्री श्री विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा ब्रिगेड के नौजवान, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने, समाज पर हो रहे उत्पीड़न व अत्याचार को रोकने, दैवीय आपदा और संकट के समय लोगों की मदद करते हुये अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे। यह ब्रिगेड अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध एक मजबूत ताकत बनकर उभरेगा। कहा कि आज सोशल मीडिया के माध्यम से नौजवानों को गुमराह किया जा रहा है। प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार झूठ बोल रही है। भाजपा राज मे विश्वकर्मा समाज के ऊपर लगातार हत्याएं, बलात्कार और जमीनों पर कब्जा हो रहा है। न तो भाजपा सरकार सुनवाई कर रही है और न पुलिस कार्यवाही कर रही है। समाज और जनता का सरकार से भरोसा उठ गया है। शिक्षा महंगी होने

के कारण गरीब नौजवानों शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। नौजवान भाजपा सरकार में नौकरी के लिए तरस रहे हैं। नौजवान जब अपने अधिकार और नौकरी के लिए आन्दोलन करता है तो सरकार की पुलिस उन्हें लाठियों से पीटती है। लोकतान्त्रिक ढांचे को तोड़ने की साजिश की जा रही है। आरक्षण को समाप्त करने के लिए भाजपा सरकार के द्वारा पूरी कोशिश की जा रही है। विश्वकर्मा समाज के रोजगार के अवसर खत्म हो रहे हैं। ऐसे में विश्वकर्मा ब्रिगेड की जिम्मेदारी है कि अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार रहे।

विश्वकर्मा ब्रिगेड के सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित 'रेड ब्रिगेड' लखनऊ की संस्थापक व अन्तर्राष्ट्रीय सेल्फ डिफेन्स ट्रेनर ऊषा विश्वकर्मा ने कहा कि समाज के युवा ही समाज की अस्मिता की रक्षा कर सकते हैं। समाज मजबूत हो और विकास के रास्ते पर अग्रसर हो इसके लिये महसभा में व ब्रिगेड में महिलाओं की समुचित भागीदारी सुनिश्चित हो। आधी आबादी को पीछे कर कोई भी समाज विकास नहीं कर सकता। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये विश्वकर्मा ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष विश्वकर्मा ने महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित पूरी कमेटी व प्रदेश कमेटी का आभार प्रकट किया कि उन पर विश्वास कर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह अपनी जिम्मेदारी को निभाने के लिये तन—मन—धन से प्रतिबद्ध हैं।

सर्वश्री सूरजबली विश्वकर्मा, राम अवतार विश्वकर्मा, प्रदेश महामन्त्री राकेश विश्वकर्मा, हरेन्द्र विश्वकर्मा, महेन्द्र विश्वकर्मा, शिवकुमार विश्वकर्मा, रामलाल विश्वकर्मा, भारत विश्वकर्मा, संजीव विश्वकर्मा, विजय विश्वकर्मा, दिवाकर विश्वकर्मा हरिशंकर विश्वकर्मा, महेश शर्मा, राजपाल शर्मा, अरूण विश्वकर्मा, राधेश्याम विश्वकर्मा, राम बाबू विश्वकर्मा, डा0 बृजेश विश्वकर्मा, शीतला प्रसाद शर्मा आदि ने भी सम्मेलन को सम्बोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन महासभा के राष्ट्रीय महासचिव राजेश विश्वकर्मा तथा अध्यक्षता महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अच्छेलाल विश्वकर्मा ने किया।

अस्तित्व में आया माटी कला बोर्ड लौहकला एवं काष्ठकला बोर्ड कब बनायेगी सरकार?

लखनऊ। कई महीने की मशक्कत के बाद आखिरकार प्रजापति समाज के उत्थान के लिये 'माटी कला बोर्ड' बन ही गया। जुलाई 2018 में ही योगी सरकार ने माटी कला बोर्ड बनाने की घोषणा किया था। माटी कला बोर्ड बनने के बाद ही विश्वकमार्वंशीय समाज की तरफ से 'लौहकला एवं काष्ठकला बोर्ड' बनाने की मांग तेज हो गयी है।

प्रमुख सचिव, खादी एवं ग्रामोद्योग नवनीत सहगल ने के अनुसार माटी कला बोर्ड के संचालक मण्डल में जनपद आगरा के धर्मवीर प्रजापति को अध्यक्ष बनाया गया है। मेरठ के लोकेश प्रजापति, अमरोहा के ओम प्रकाश गोला प्रजापति, आगरा के डॉ0 भगवान दास दक्ष, लखनऊ की नीलम बाला प्रजापति, मऊ के हरेन्द्र कुमार प्रजापति, जौनपुर के अजीत प्रजापति, सुल्तानपुर के पवन कुमार प्रजापति तथा बांदा के बरदानी प्रसाद प्रजापति को सदस्य के रूप में

शामिल किया गया है।

जिस तरह प्रजापति समाज परम्परागत कारीगर है ठीक उसी तरह ही विश्वकर्मावंशीय समाज भी परम्परागत कारीगर है। सामाजिक कार्यकर्ता अरविन्द कुमार विश्वकर्मा ने उत्तर प्रदेश सरकार से लौहकला एवं काष्ठकला बोर्ड के शीघ्र गठन की मांग किया है। श्री विश्वकर्मा ने बताया कि वह इसके लिये विश्वकर्मावंशीय समाज के लोगों का समर्थन जुटाकर अतिशीघ्र मुख्यमन्त्री से मुलाकात करेंगे। साथ ही उन्होंने भाजपा संगठन में काम कर रहे नेताओं से भी मिलकर सरकार पर दबाव बनाने की बात कही है। यदि सरकार लौहकला एवं काष्ठकला बोर्ड बनाती है तो निश्चित तौर पर विश्वकर्मावंशीय समाज के परम्परागत कार्यों को बढ़ावा मिल सकेगा और तेजी से उनका उत्थान हो सकेगा।

श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट (रेड ब्रिगेड) जौनपुर ने प्रतिभागियों को दिया पुरस्कार

जौनपुर। कार्तिक पूर्णिमा व देव दीपावली के शुभ अवसर पर श्री संकट मोचन संगठन जौनपुर द्वारा शाही पुल के गोपी घाट के प्रांगण में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट (रेड ब्रिगेड) जौनपुर के पदाधिकारियों द्वारा प्रथम, द्वितीय, तृतीय व सांत्वना पुरस्कार का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट (रेड ब्रिगेड) जौनपुर की तरफ से इं0 विभोर विश्वकर्मा (अवर अभियन्ता नगर पालिका परिषद जौनपुर), डॉ0 पी0के0 संतोषी, भानु प्रकाश विश्वकर्मा (छोटू), राम आशीष विश्वकर्मा, ऋतुकांत विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

स्टैण्डर्ड ग्रुप ऑफ स्कूल की सह प्रबन्धिका रश्मि शर्मा पीएचडी उपाधि से अलंकृत

रायबरेली। 'हायर सेकेण्डरी स्कूल शिक्षकों का शिक्षण कार्य के प्रति अभिवृत्ति तथा कार्य संतुष्टि' विषय पर रश्मि शर्मा ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी चित्तौड़गढ़ राजस्थान से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।

डॉ0 रश्मि शर्मा ने बताया कि वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में तरह—तरह की समस्याएं आ रही है और शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। इसके कारण शिक्षकों की अपने शिक्षण कार्य के प्रति संतुष्टि का विषय चुनकर हमने प्रयास किया है, कि शिक्षा को और कैसे रोचक बनाया जाए, जिससे शिक्षकगण और भी बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकें। श्रीमती शर्मा ने बताया कि उन्होंने यह पीएचडी की उपाधि डॉ0 नरेश चन्द्र श्रीवास्तव एवं प्रोफेसर मीरा दुबे के मार्गदर्शन में प्राप्त की है। इसके लिए उन्होंने उन सभी सहयोगियों का आभार जताया जिन्होंने उनके इस कार्य में उनका सहयोग किया है। श्रीमती रश्मि शर्मा न्यू स्टैण्डर्ड ग्रुप ऑफ स्कूल की सहप्रबन्धिका के पद पर कार्यरत रहते हुए शिक्षण कार्य की गुणवत्ता हेतु निरन्तर प्रयासरत रहती हैं।

श्रीमती शर्मा को मिली पीएचडी उपाधि पर विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने बधाई दी है। न्यू स्टैण्डर्ड ग्रुप ऑफ स्कूल्स के प्रबंधक शशिकांत शर्मा, डॉ0 एस0के0 पाण्डेय, एस0एल0 प्रजापति, जॉन एलिजाबेथ नैथन, राजीव सिंह, एडवोकेट शिवाकांत शर्मा, सेण्ट्रल बार के पूर्व अध्यक्ष ओ0पी0 यादव, आर0बी0 सिंह, डॉ0 मनीष चौहान, डॉ0 राजीव सारंगी, डॉ0 अवधेश सिंह, पूर्व विधायक रामनरेश यादव, आर0पी0 शर्मा, कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष समेत अनेक अधिवक्ता बंधुओं ने भी बधाई दी है।

इसके अलावा समाजसेवी डॉक्टर श्रेया, यूपी मीडिया क्लब के कोऑर्डिनेटर विजय कुमार, उत्तर प्रदेश राज्य मुख्यालय संवाददाता समिति के पूर्व उपाध्यक्ष अरुण त्रिपाठी एवं डिजिटल मीडिया के स्टेट कोऑर्डिनेटर अनुराग यादव समेत अनेकों लोगों ने बधाई दी है।

'विश्वकर्मा किरण' पत्रिका परिवार की तरफ से भी डा0 रश्मि शर्मा को बहुत—बहुत बधाई।

रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य बने शशिकान्त शर्मा

गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी गाजीपुर जनपद के मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा को पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर में रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति केन्द्रीय रेल राज्यमन्त्री मनोज सिन्हा के निर्देश पर की गई है।

शशिकान्त शर्मा की नियुक्ति पर गाजीपुर भाजपा जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुमित तिवारी, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व रेल राज्यमन्त्री के प्रतिनिधि सुनील सिंह, रेल राज्यमन्त्री मनोज सिन्हा के निजी सहायक सिद्धार्थ, पूर्व राज्यमन्त्री डा0 कृष्णमुरारी विश्वकर्मा, वाराणसी भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, बुद्धलाल विश्वकर्मा, आचार्य विक्रमदेव विश्वकर्मा, प्रभुनाथ विश्वकर्मा देवरिया, सुनील विश्वकर्मा आईटी विभाग भाजपा लखनऊ, गजेन्द्र शर्मा जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा लखनऊ,

राम औतार शर्मा, हरेन्द्र विश्वकर्मा, किशन शर्मा, त्रिभुवन विश्वकर्मा आदि लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

परमेश्वर सुथार को मिला देश के सर्वश्रेष्ठ थानाधिकारी का पुरस्कार

बीकानेर। राजस्थान में बीकानेर जिले के कालू थाना के थानाधिकारी परमेश्वर सुथार को बेहतरीन नेतृत्व के लिये देश के सर्वश्रेष्ठ थानाधिकारी के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुलिस के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार केवडिया (गुजरात) के स्टेच्यू ऑफ यूनिटी में आयोजित सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों के सम्मेलन में श्री सुथार को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व के लिये केन्द्रीय गृहमन्त्री राजनाथ सिंह ने उन्हें सम्मानस्वरूप ट्रॉफी प्रदान की।

इस दौरान गुजरात के मुख्यमन्त्री विजय रूपाणी, इंटेलीजेंस ब्यूरो के निदेशक, गृह सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इससे पहले गृह मंत्रालय ने देशभर के थानों का सर्वेक्षण करवाया था। इसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तीन थानों को चुना गया। इसमें श्री सुथार को प्रथम पुरस्कार के लिये चयनित किया गया।

देश के टॉप-10 पुलिस थानों में राजस्थान के दो पुलिस थानों को शामिल किया गया है। बूंदी के लाखेरी पुलिस थाना सातवें नंबर पर है। बीकानेर रेंज के आईजी दिनेश एमएन है। उनकी पोस्टिंग के बाद बीकानेर में अपराध पर अंकुश लगा है। कालू थाना पुलिस को पहला स्थान मिलने पर डीजीपी ओपी गल्होत्रा ने अधिकारियों को ट्वीट करके बधाई दी है। कांफ्रेंस में एडीजी क्राइम पीके सिंह ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया है।

इसलिए मिला देश में पहला स्थान—

माना जा रहा है कि कालू थाना पुलिस क्राइम कंट्रोल करने के साथ में आमजन की सुनवाई करने में, रिस्पोंस टाइम, संसाधनों से लैस, दर्ज प्रकरणों का निस्तारण करने, पुलिसकर्मियों का आमजन के प्रति अच्छा व्यवहार करने और हाईटेक पद्धति से कामकाज करने में सर्वश्रेष्ठ है। पूरे थाने की कार्यप्रणाली देशभर के अन्य पुलिस थानों से अलग है। ऐसे में बेस्ट पुलिस थाने का अवार्ड दिया गया है।

मुम्बई के विकास में कारीगरों का अहम योगदान

मुम्बई। देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई की जो रौनक हम सब देख रहे है उसमें कारीगरों का खास योगदान है। लोगों के सुख सुविधाओं में कारीगरों के श्रम साधना को भुलाया नहीं जा सकता। मालाड (पश्चिम) स्थित श्री धूड़मल बजाज हाल में भवन निर्माण व आन्तरिक साज-सज्जा से जुड़े कारीगरों की सामाजिक संस्था कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के वार्षिक स्नेह सम्मेलन 'एक शाम कारपेंटरों के नाम' कार्यक्रम में भाजपा मुम्बई सचिव समीर देसाई ने उक्त बातें कही।

उन्होंने कहा कि मुंबई में बनने वाली इमारतों में भले ही उद्योगपतियों के पैसे लगते हों मगर कारीगरों के श्रम से ही इमारत खड़ी हो पाती है। उन्होंने कारीगरों से आवाहन किया कि कारीगर वर्ग अपने आपको पिछड़ा नहीं समझे बल्कि अपनी मेहनत पर भरोसा करते हुए मुम्बई को संवारने का काम करते रहें।

समारोह को सम्बोधित करते हुये पत्रकार डॉ0 उरुक्रम शर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज को कारीगरी गॉड गिफ्ट है, इनके बिना सुखमय जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। ईमारत निर्माण से लेकर घर की आन्तरिक साज सज्जा विश्वकर्मा समाज के द्वारा ही किया जाता है।

पत्रकार अजय भट्टाचार्य ने कहा कि भगवान के अवतारों में भगवान विश्वकर्मा निर्मित राम सेतु आज भी साक्ष्य के तौर पर मौजूद है जिसे वैज्ञानिकों ने भी 10 लाख साल पुराना बताया है। उन्होंने कहा कि राम सेतु मानव निर्मित है जिसे बाइबिल में एडम ब्रिज कहा गया है जिसका अर्थ आदम पुल है। आदम को ही मानव उत्पत्ति बताया गया है। उन्होंने कहा कि मुम्बई की जो रौनक हम सब देखते है उसमें कारीगरों का खास योगदान है, लोगों की सुख सुविधाओं में कारीगरों के श्रम साधना को भुलाया नहीं जा सकता।

पत्रकार प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि मुम्बई में विश्वकर्मा समाज संगठित समाज है। उन्होंने कार्यक्रम की प्रसंशा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से कारीगरों को नई तकनीकी के बारे में जानकारी मिलेगी जो उनके रोजगार के लिए बेहतर साबित हओगा।

संस्था अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा ने कहा कि हमें विश्वकर्मा वंशज होने का अभिमान है। कारीगरी हमारे खून में है मगर बदलते समय के साथ हमें खुद को भी तराशना होगा ताकि प्रतियोगिता के दौड़ में हम मुकाबला कर सकें। समारोह में श्री विश्वकर्मा समाज दहिसर के अध्यक्ष रमाशंकर विश्वकर्मा

विश्वकर्मा समाज को कारीगरी गॉड गिफ्ट है, इनके बिना सुखमय जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। ईमारत निर्माण से लेकर घर की आन्तरिक साज सज्जा विश्वकर्मा समाज के द्वारा ही किया जाता है।

–डॉ0 उरुक्रम शर्मा, पत्रकार

भगवान के अवतारों में भगवान विश्वकर्मा निर्मित राम सेतु, जिसे सेतु समुद्रम के नाम से जाना जाता है। वह आज भी साक्ष्य के तौर पर मौजूद है जिसे वैज्ञानिकों ने भी 10 लाख साल पुराना बताया है।

–पत्रकार प्रमोद पाण्डेय

को सामाजिक उत्थान कार्य हेतु पुरस्कार 'श्री विश्वकर्मा समाज रत्न 2018' से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सुरेन्द्र मिश्रा, डॉ0 आर0आर0 विश्वकर्मा, छत्तीसगढ़ की गायिका एवं फिल्म अभिनेत्री उषा विश्वकर्मा, पतिराज विश्वकर्मा, शिवप्रकाश विश्वकर्मा, रामशब्द विश्वकर्मा, कड़ेदीन विश्वकर्मा, राधेश्याम विश्वकर्मा, हरिशचन्द्र विश्वकर्मा, अंगद विश्वकर्मा, शिवलाल सुथार, राजकुमार विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा आदि सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार गंगाराम विश्वकर्मा ने किया जबकि संस्था के महामन्त्री दिनेश विश्वकर्मा ने आभार व्यक्त किया। गोदरेज लॉकिंग सोलुशन एंड सिस्टम्स, ग्रीन पैनल, दिव्यराज वेलूहोम, इको प्रो, यूरो एडहेसिव प्रायोजित इस समारोह में लोकगायक सुरेश शुक्ल व राधा मौर्य ने सम–सामयिक गीत प्रस्तुत कर लोगों को भाव विभोर कर दिया।

'विश्वकर्मा महिमा' हिन्दी फिल्म का ट्रेलर जारी जल्द रिलीज होगी फिल्म

मुम्बई। एस0आर0 फिल्म फैक्ट्री द्वारा निर्मित फिल्म 'विश्वकर्मा महिमा' जल्द रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। प्रोड्यूसर शिवकुमार विश्वकर्मा व नीरज विश्वकर्मा ने ट्रेलर जारी करते हुये उम्मीद जताई है कि भगवान विश्वकर्मा पर बनी यह पहली हिन्दी फिल्म लोगों को जरूर पसन्द आयेगी। इस फिल्म में भगवान विश्वकर्मा की महिमा का वर्णन किया गया है जो वेद व पुराण पर आधारित है।

विश्वकर्मा समाज ने समाज में फैली कुरीतियों पर की चर्चा

राजधनवार। विश्वकर्मा समाज की ओर से धनवार के पुनीत राय स्टेडियम में समाज में फैल रही कुरीतियों पर लगाम लगाने, बच्चों की शिक्षा पर बल देने व शराब की सेवन पर लगाम लगाने आदि कई मुद्दों को लेकर बैठक किया गया। जिसकी अध्यक्षता युग लाल शर्मा व संचालन बीरेंद्र कुमार राणा ने की। बैठक में धनवार के अलावा गावां, बिरनी, जमुआ आदि कई प्रखंडों से राणा समाज के लोग भाग लिए। वहीं बच्चों के साथ साथ बालिका शिक्षा पर जोर दिया गया। इस अवसर पर महामंत्री देवकी राणा, जिला अध्यक्ष बिनोद राणा, प्रदेश सचिव दिनेश राणा, प्रदेश महामंत्री देवनाथ राणा आदि मौजूद थे।

विश्वकर्मा स्वाभिमान सम्मेलन में योगी सरकार पर हमला

गोण्डा। विश्वकर्मा समाज वोट के महत्व को समझे और एकजुट होकर सत्ता और सरकार में भागीदारी निभाये। उक्त बातें अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्वमन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा ने गोण्डा के गांधी पार्क में विश्वकर्मा स्वाभिमान सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा। श्री विश्वकर्मा ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा हमारे आराध्य देव हैं, पूरा देश 17 सितम्बर विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर, केवल विश्वकर्मा ही नहीं बल्कि उद्योग क्षेत्र में काम करने वाले सभी लोग उनकी पूजा करते हैं और उनका सम्मान करते हैं। लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार ने भगवान विश्वकर्मा के पूजा दिवस के सार्वजनिक अवकाश को निरस्त कर उनका अपमान किया है।

श्री विश्वकर्मा ने कहा कि हम इस अपमान को कदापि बर्दाश्त नहीं करेंगे। सपा सरकार में मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने विश्वकर्मा पूजा दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित कर विश्वकर्मा समाज की पहचान बनायी थी जिसे भाजपा सरकार मिटा रही है। जब तक विश्वकर्मा समाज राजनैतिक फैसले नहीं लेगा और विधायक, सांसद, मन्त्री नहीं बनायेगा तब तक समाज न तो मजबूत होगा और न लोगो को भागीदारी मिलेगी। सपा सरकार में राम आसरे विश्वकर्मा को मन्त्री बनाकर सरकार में भागीदारी दी गयी थी। विश्वकर्मा समाज के विकास के लिये नीतियां बनायी गयी थी। समाज के भूमिहीन लोगों को वर्कशाप और कुटीर उद्योग लगाने के लिये ग्रामसभा की जमीनों का पट्टा दिया गया था। सरकारी नौकरियों में भर्ती करने हेतु इण्टर पास विश्वकर्मा समाज के लड़कों को आईटीआई का प्रमाणपत्र देने का शासनादेश जारी किया गया था, भाजपा सरकार ने उन पर रोक लगा दी।

श्री विश्वकर्मा ने विश्वकर्मा समाज के लोगों से अपील की कि वे एक नजर अपने कारोबार पर और एक नजर सरकार पर रखें और जो सरकार समाज के हितों के विपरीत काम करे उस सरकार को बदल दे। श्री विश्वकर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार में विश्वकर्मा समाज पर लगातार उत्पीड़न और अत्याचार हो रहा है। समाज के लोगों की हत्यायें, बलात्कार और उनकी जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं। न तो पुलिस कार्यवाही कर रही है और न ही सरकार सुनवाई कर रही है। आश्चर्य है कि हमारी सरकार में बात–बात पर आन्दोलन करने वाले विश्वकर्मा समाज के कुछ नेता भाजपा सरकार में डर के मारे अब छुप गये हैं और उत्पीड़न के विरोध में बोलने के लिये तैयार नहीं हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार अगर समाज की सुरक्षा नहीं करती तो विश्वकर्मा ब्रिगेड के नौजवान समाज की सुरक्षा और उनके सम्मान की रक्षा करने के लिये आगे आयें। समाजवादी पार्टी की सरकार में हत्या होने पर सरकार

तत्काल कार्यवाही करती थी और सरकार के कोष से उस परिवार की मदद भी होती थी। अब लोग इलाज के अभाव में मर रहे हैं और सरकार मदद नहीं कर रही है। श्री विश्वकर्मा ने नौजवानों से पूछा कि आखिर भाजपा सरकार में कितनी नौकरी मिली। यह सरकार पिछड़े वर्गों के आरक्षण को समाप्त करने की साजिश कर रही है।

श्री विश्वकर्मा ने मांग की कि लोहे—लकड़ी का कारोबार विश्वकर्मा समाज के लिये आरक्षित किया जाय और लकड़ी कारोबार पर लगा जीएसटी समाप्त किया जाय तथा सरकार इन्हें विशेष सुविधायें दे। विश्वकर्मा समाज की जनसंख्या के आधार पर सरकारी नौकरियों, सरकारी पदों और राजनीति और सरकार में हिस्सेदारी दी जाय।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये पूर्व मन्त्री व सपा नेता विनोद सिंह 'पण्डित' ने कहा कि वह हमेशा विश्वकर्मा समाज के लोगों के साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने विश्वकर्मा समाज के गोण्डा में कार्यालय की जमीन हेतु अपने पास से एक लाख रूपया देने की घोषणा की।

महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अच्छेलाल विश्वकर्मा व महामन्त्री राकेश विश्वकर्मा ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये कहा कि गोण्डा के लोग अच्छा काम कर रहे हैं। प्रदेश कमेटी हर सम्भव उनकी मदद करेगी।

सम्मेलन को महासभा के राष्ट्रीय सचिव विश्वनाथ विश्वकर्मा, प्रदेश सचिव श्याम जी विश्वकर्मा, सपा जिलाध्यक्ष ओमकारनाथ पटेल, श्यामजी विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष मनीराम विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, पुत्तीलाल

विश्वकर्मा, किशोरीलाल विश्वकर्मा, साहबदीन विश्वकर्मा, डा0 रमेश वर्मा, अनिल शर्मा, मनोज विश्वकर्मा, महेश विश्वकर्मा, नन्दकिशोर विश्वकर्मा, दिवाकर विश्वकर्मा, चन्द्रशेखर विश्वकर्मा, सोनू विश्वकर्मा, कमल विश्वकर्मा, नरेन्द्र विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा, रामदीन विश्वकर्मा, राकेश विश्वकर्मा, रक्षाराम विश्वकर्मा, प्रमोद विश्वकर्मा, श्रवण विश्वकर्मा, कौशल विश्वकर्मा आदि लोगों ने कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित किया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा की गोण्डा जिला कमेटी की तरफ से 10 गरीब महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने हेतु सिलाई मशीन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मनीराम विश्वकर्मा और संचालन जयलाल विश्वकर्मा ने किया। आयोजक शिव कुमार विश्वकर्मा ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

विश्वकर्मा समाज की सांस्कृतिक सामाजिक पहचान खत्म करने की हो रही है साजिश– अशोक विश्वकर्मा

वाराणसी। जाल्हूपुर बाजार स्थित हनुमान मंदिर परिसर में ऑल इंडिया यूनाइटेड विश्कर्मा शिल्पकार महासभा के तत्वावधान में विश्वकर्मा स्वाभिमान भागीदारी विमर्श सम्मेलन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा ने संबोधित करते हुए कहा, मौजूदा सरकार में समाज के लोग सबसे ज्यादा जुल्म अत्याचार उत्पीड़न अन्याय और राजनैतिक उपेक्षा के शिकार हैं। चुनावी घोषणा पत्र में सबका साथ–सबका विकास का नारा देने वाली सरकार ने सिर्फ वोट के लिए इस्तेमाल किया और धोखा दिया। सरकार ने समाज की मांगों पर कभी गंभीरता नहीं दिखाई। रोजगार के अधिकार और भागीदारी से जुड़े संवैधानिक मांगों की लगातार उपेक्षा करती रही।

उन्होंने कहा सदियों से प्रजा जाति में शामिल इस समाज के लोग अपने अधिकारों से वंचित भेदभाव और असमानता के शिकार हैं। सरकार ने विश्वकर्मा पूजा पर्व के अवकाश को रद्द करके समाज के स्वाभिमान को गहरा चोट पहुंचाया है तथा सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान मिटाने का राजनैतिक प्रयास किया है। श्री विश्वकर्मा ने कहा कि कृषि औद्योगिक और रक्षा क्रांति के विकास में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले बौद्धिक और तकनीकी क्षमता से भरपूर कारीगरी के हुनरमंद वाहक विश्वकर्मा समाज रचना और निर्माण के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है, किंतु यह समाज

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा ने संबोधित करते हुए कहा, मौजूदा सरकार में समाज के लोग सबसे ज्यादा जुल्म अत्याचार उत्पीड़न अन्याय और राजनैतिक उपेक्षा के शिकार हैं। चुनावी घोषणा पत्र में सबका साथ–सबका विकास का नारा देने वाली सरकार ने सिर्फ वोट के लिए इस्तेमाल किया और धोखा दिया।

राजनैतिक साजिश का शिकार होकर सर्वाधिक पिछड़ों की श्रेणी में सबसे पीछे खड़े रहने को मजबूर है। सम्मेलन में निर्णय लिया गया की भेदभाव और असमानता के खिलाफ रोजगार और भागीदारी के सवाल पर समान अवसर हासिल करने के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में विश्वकर्मा समाज को धोखा देने वाले सभी राजनैतिक दलों का बहिष्कार करेगी तथा समाज क सभी संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर देशव्यापी महागठबंधन बनाएंगे और चुनाव में अपना उम्मीदवार उतारेंगे।

सम्मेलन की अध्यक्षता भरत लाल विश्वकर्मा एवं संचालन जिला अध्यक्ष बचाऊ लाल विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर सर्वश्री श्रीकांत विश्वकर्मा, भैरव विश्वकर्मा, दीनदयाल विश्वकर्मा, रमेश विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, रामकिशुन विश्वकर्मा, रामाधार विश्वकर्मा, मुन्ना विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा, राधेश्याम विश्वकर्मा, महेंद्र विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, अजीत विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा, सत्यनारायण विश्वकर्मा, प्रमोद विश्वकर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, राजीव विश्वकर्मा, मन्ना चौधरी, गोरख विश्वकर्मा, बचाऊ विश्वकर्मा, राम प्रसाद विश्वकर्मा, कैलाश विश्वकर्मा, राजेंद्र विश्वकर्मा, रामजतन विश्वकर्मा, काशीनाथ विश्वकर्मा, लक्ष्मण विश्वकर्मा, बटुक विश्वकर्मा, नखडू मास्टर, लालजी विश्वकर्मा, दयाराम विश्वकर्मा, ओमप्रकाश विश्वकर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

सामूहिक विवाह- परिणय सूत्र में बंधे 13 जोड़े

प्रयागराज। स्थानीय भारत स्काउट एण्ड गाइड मुख्यालय ममफोर्डगंज में विश्वकर्मा पांचाल ब्राह्मण सभा के द्वारा सर्वजातीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 13 जोडों का विवाह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विश्वकर्मा जगद्गुरू शंकराचार्य दिलीप महराज, अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्वमन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा सहित अन्य अतिथियों ने वर-बधुओं को आशिर्वाद दिया।

पूर्वमन्त्री श्री विश्वकर्मा ने आयोजकगणों का आभार प्रकट करते हुए कहा, हमें खुशी है कि इलाहाबाद में सामूहिक विवाह के माध्यम से गरीब बेटियों की शादी करके उनके नये जीवन की शुरूआत करने का अवसर दिया है। कहा कि दहेज के कारण जिन बेटियों की शादी नहीं हो पाती, सामूहिक विवाह के माध्यम से आज वे सभी छोटे—बड़े, अमीर—गरीब एक मंच पर एकत्र होकर रोटी-बेटी का सम्बंध स्थापित कर रहे हैं। इससे समाज की सामाजिक एकता और सामाजिक ताकत मजबूत हो रही है। सामूहिक विवाह अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा का मुख्य एजेण्डा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा कौशाम्बी के जिलाध्यक्ष कृष्णा प्रसाद विश्वकर्मा ने किया। कार्यक्रम के आयोजक पंकज मनु विश्वकर्मा थे।

कार्यक्रम को डा0 सी0पी0 शर्मा, शिवम यादव एडवोकेट, अमरूता अलपेश सोनी उपाध्यक्ष एशिया पेसिफिक ट्रान्सजेन्डर एसोसिएशन, शिवबहादुर वर्मा, डा0 मदन लाल विश्वकर्मा, शिवकरन विश्वकर्मा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर इं0 राम नयन शर्मा, राम प्रताप विश्वकर्मा, डा0 सुनील विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अभिनेता व गायक शिवकुमार विश्वकर्मा ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

श्रेया एसोसिएट्स

Shreya Associates

धावा स्टेट, निकट मटियारी, लखनऊ-226028

विश्वकर्मा समाज के प्रति व विश्वकर्मा समाज के लिये मेरे विचार

Founder & M.D.
Poonam Vishwakrma

एक समय था, जब लोग विश्वकर्मा वंशियों का मान-सम्मान करते थे और करें भी क्यों न भई हम विश्वकर्मा (सृष्टि रचयिता) के वंशज हैं। परन्तु आज तो ऐसा नहीं दिखता, हम पिछड़े हुये हैं, क्योंकि विश्वकर्मा समाज में अशिक्षा है, एकता नहीं है। बड़े ही दु:ख के साथ कहना पड़ता है, कि हमारे विश्वकर्मा समाज में लोग हाथ बढ़ाकर मदद करने के बजाय पैर पकड़कर खींचने का प्रयास करते हैं।

कभी आपसे किसी ने कहा है- तुम कितने लोग हो? हह! तुम क्या कर सकते हो? तुमसे जो हो सकता है, कर लो। देखते हैं कौन है तुम्हारे पीछे।

जब स्वाभिमान को ठेस पहुंचता है, मन घायल होता है, तो बहुत ग्लानि होती है ना।

कभी आपने खुद के प्रश्न किया है, कि हमारी वास्तविकता क्या है, हम सर्वश्रेष्ठ कैसे हैं? हम हैं कौन?

अब यदि आपको लगता है, कि आप अपने लिए, धर्म के अस्तित्व के लिए, विश्वकर्मा वंशियों के अस्तित्व के लिए कुछ कर सकते हैं तो आइए साथ मिलकर ललकार करें, प्रभु विश्वकर्मा की जय जयकार करें।

मैं पूनम विश्वकर्मा फाउण्डर ऑफ श्रेया एसोसिएट्स, मैं व्यवहारिक रूप से व अपने फर्म के माध्यम से रोजगार क्षेत्र में विश्वकर्मा समाज के लोगों को प्राथमिकता देती हूं। मेरा उद्देश्य विश्वकर्मा समाज को आगे बढ़ाना है, इसके लिए मैंने निरन्तर व तत्पर रूप से कार्य किया है, विश्वकर्मा समाज में जरुरतमंद की मदद भी किया व आगे भी करती रहूँगी।

विश्वकर्मा समाज के प्रति मेरे उद्देश्य की पूर्ति के लिए परिवार के रुप में सहयोगी/ भागीदार बनें, क्योंकि हम सब एक परिवार हैं।

यदि आपके धमनियों में प्रभु विश्वकर्मा का रक्त है तो एकता की शक्ति को पहचानिए, भेदभाव खत्म कीजिए, शिक्षित बनिए, समाज में विश्वकर्मा परिवारों से मेल जोल/परिचय/ पहचान बढ़ाइए, किसी विश्वकर्मा परिवार के दु:ख की घड़ी में अन्य विश्वकर्मा परिवारों व अपने स्वयं से जो मदद कर सकते हैं, कीजिए।

एक बात याद रखिये, आज आप विश्वकर्मा समाज/परिवार के लिए खड़े हैं, तो कल व अनन्त काल तक विश्वकर्मा समाज/परिवार आपके मदद के लिए खड़ा रहेगा। अत: अपने पांव पसारिये। अनेक विश्वकर्मा, संगठन अध्यक्ष, राजनेता, कार्यकर्ता, डॉक्टर, समाजसेवक, अधिकारी के रुप में विश्वकर्मा समाज को और बड़ा बनाने में प्रयासरत हैं, आप भी प्रयास कीजिए, आपका योगदान महत्वपूर्ण है।

आप विश्वकर्मा (सृष्टि रचयिता) के वंशज हैं, आप कुछ भी कर सकते हैं।

Poonam Vishwakarma

Founder & M.D.
Poonam Vishwakrma

shreyaassociates.com +91 9628545000 +91 7897060124 shreyaassociates913@gmail.com
facebook.com/shreyaassociateslko Shreya Associates linkedin.com/in/shreyaassociateslko

बनवाएँ अपने सपनों का घर

हमारे यहाँ सभी प्रकार के भवन के नक्शे एवं निर्माण का कार्य कुशल इंजीनियरों के देखरेख में कान्ट्रेक्ट बेस पर किया जाता है।

हमारी सेवाएं

- ★ डिजाइन, ड्राइंग (नक्शा), इस्टीमेट, वैल्युवेशन।
- ★ सभी सिविल कंस्ट्रक्शन वर्क एक्सटीरियर व इन्टीरियर डिजाइन के साथ।
- ★ एडवाइजर एडवोकेट्स
- ★ 600 वर्गफुट एरिया का ए.सी. हॉल पार्टी/मीटिंग एवं अन्य कार्यक्रम हेतु 24 घंटे उपलब्ध है।

एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

सम्पर्क करें

SHREYA ASSOCIATES

Plot No. 310, Dhawa State, Goyala, Chinhat, Lucknow-226028

E-mail : shreyaassociates913@gmail.com, Website : www.shreyaassociates.com

Mob. 9628545000, 7897060124

मिशन ब्लैकस्मिथ–2025 का हुआ आयोजन विश्वविद्यालय खोलने पर दिया जोर

धनबाद। विश्वकर्मा लोहार समिति (रजि0) धनबाद के तहत जिला बोकारो झारखण्ड में राजेन्द्र विश्वकर्मा के तत्वाधान में रॉयल दरबार में 'मिशन ब्लैकस्मिथ–2025' का आयोजन किया गया। आयोजन में झारखण्ड के 24 जिलों के लोहार समाज के लोगों ने हिस्सा लिया और अपना विचार रखा। समिति में सभी वक्ताओं ने पूरे झारखण्ड में समस्त लोहार समाज को एकजुट करने, सामाजिक कार्य को गति देने व राजनीति में बढ़चढ़कर हिस्सेदारी निभाने पर जोर दिया। साथ ही समाज के नाम पर एक विश्वविद्यालय खोलने की भी चर्चा की गई।

विश्वविद्यालय खोलने के लिये उमेश लाल विश्वकर्मा ने दो एकड़ जमीन देने की बात कही। गिरिडीह से पधारे कन्हैयालाल विश्वकर्मा ने सामाजिक एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। कहा कि लोग राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायें, इसके लिये जरूरी है कि सभी जिले के लोग एक झण्डे के साथ चलें।

बैठक की अध्यक्षता विश्वकर्मा लोहार समिति (रजि0) धनबाद के वरिष्ठ सदस्य हीरालाल विश्वकर्मा ने किया। अन्त में समिति के अध्यक्ष विजय कुमार विश्वकर्मा ने सभी अतिथियों और आगन्तुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आजमगढ़ में आयोजित हुई श्री विश्वकर्मा वृहद चिंतन बैठक

आजमगढ़। श्री विश्वकर्मा वृहद चिंतन बैठक का आयोजन आजमगढ़ में विश्वकर्मा भवन, सिविल लाइन्स में किया गया। चिंतन बैठक को कई सामाजिक लोगों ने सम्बोधित किया। आयोजक व वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद राजेश विश्वकर्मा ने चिंतन बैठक में अपना वृहद उद्गार व्यक्त किया।

बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, समाज के ऊपर हो रहे जुल्म और अत्याचार का मिलकर मुकाबला करने तथा आजमगढ़ जनपद में विश्वकर्मा समाज का बड़ा कार्यक्रम कराने का संकल्प लिया गया। बैठक की अध्यक्षता श्यामा प्रसाद शर्मा तथा संचालन अधिवक्ता शशिकांत विश्वकर्मा ने किया। अधिवक्तागण विंध्याचल शर्मा, सर्वेश विश्वकर्मा, सुभाष विश्वकर्मा, अनूप विश्वकर्मा, आशीष विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, समाजसेवी बृजेश विश्वकर्मा, सोहन लाल वर्मा,पतरु राम विश्वकर्मा, रजनीश विश्वकर्मा, डॉ विकेंद्र विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा, गणेश विश्वकर्मा, धर्मवीर विश्वकर्मा, मोनू विश्वकर्मा आदि ने बैठक को संबोधित किया।

भगवान विश्वकर्मा महिमा एवं ज्ञानी जैल सिंह की स्मृति का हुआ वर्णन

आजमगढ़। श्री विश्वकर्मा मंदिर (निकट रेलवे स्टेशन) आजमगढ़ में भगवान विश्वकर्मा महिमा की चर्चा तथा पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की स्मृतियों का विस्तार से वर्णन हुआ। संयोजक डॉ0 राजेश विश्वकर्मा, अधिवक्ता इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा श्रम, चिकित्सा एवं विधि परामर्श शिविर का भी आयोजन कराया गया।

इस अवसर पर पूर्वमन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा, पूर्वमन्त्री डा0 कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा, मुख्य संरक्षक इं0 रामनयन शर्मा, सदस्य लोक कला संस्थान उत्तर प्रदेश हीरालाल शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी दयानन्द विश्वकर्मा, नगर पंचायत चेयरमैन वीरेन्द्र विश्वकर्मा, प्रो0 पी0के0 विश्वकर्मा, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता कैलाश विश्वकर्मा ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में सभासद दिनेश विश्वकर्मा, श्यामा प्रसाद शर्मा, योग प्रशिक्षक सोहन लाल वर्मा, छविश्याम शर्मा, पतरुराम विश्वकर्मा, डा0 विकेन्द्र विश्वकर्मा, समाजसेवी बृजेश शर्मा, बड़े बाबू राधेश्याम विश्वकर्मा, विजय विश्वकर्मा मुम्बई, रजनीश विश्वकर्मा, अधिवक्ता विन्ध्याचल शर्मा, शशिकान्त विश्वकर्मा, बृजेश यादव, हरेन्द्र यादव, उमाशंकर शर्मा, आशीष विश्वकर्मा, रामधन विश्वकर्मा, संतोष शिल्पकार, बालचंद यादव, राममिलन विश्वकर्मा, शशिचंद विश्वकर्मा, डा0 घनश्याम विश्वकर्मा, डा0 शिवचरण गुप्ता, गणेश शर्मा, डा0 श्रीराम विश्वकर्मा, अनिल शर्मा, प्रेमनाथ, जगदीश, सुभास, रामजी, संजय, रामलगन, रामआसरे विश्वकर्मा, श्यामलाल, रिंकज विश्वकर्मा, अरुण विश्वकर्मा, उमेश विश्वकर्मा, बेचू विश्वकर्मा, पिंटू विश्वकर्मा, नंदकिशोर विश्वकर्मा सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध गायक कलाकार इंद्रजीत विश्वकर्मा तथा कवि, गीतकार कमलेश आजमी ने मनमोहक प्रस्तुति दिया।

श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट (रेड ब्रिगेड) नाशिक ने चलाया स्वच्छता अभियान

नाशिक। श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट (रेड ब्रिगेड) टीम नाशिक द्वारा गाँधी तालाब, रामकुंड परिसर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। छठ पूजा के बाद पूरे परिसर को रेड ब्रिगेड टीम ने अपना श्रमदान करते हुए स्वच्छ किया और आम नागरिकों को स्वच्छता का सन्देश दिया। इस मौके पर आये हुए श्रद्धालुओं से परिसर को स्वच्छ रखने में सहयोग करने के लिए कहा गया। स्वच्छता अभियान के समय नाशिक महानगर पालिका के कर्मचारियों का भी बहुत सहयोग मिला।

इस स्वच्छता अभियान में 'गणराज बहुउद्देशीय सेवाभावी संस्था' के अध्यक्ष उमापति ओझा भी टीम के साथ मिल कर कार्य किये। रेड ब्रिगेड टीम से श्याम विश्वकर्मा, अध्यक्ष– अशोक विश्व0, उपाध्यक्ष- प्रदीप विश्वकर्मा, कोषध्यक्ष- अरविंद विश्व0, राजेन्द्र विश्व0, प्रवीण शर्मा, नंदकिशोर विश्व0, प्रशांत कासार, प्रेम चन्द्र विश्व0, बेचूलाल विश्व0, करण विश्व0, धरम विश्व0, ओमप्रकाश विश्व0, अच्छेलाल विश्व0, अरविन्द (पुल्ली) विश्व0, विनोद विश्व0, रविन्द्र (लालू) विश्व0, भाईलाल विश्व0, महेश विश्व0, उदयराज विश्व0, संजय विश्व0, पंचम विश्व0, अर्जुन विश्व0, रमाशंकर विश्व0, संजय विश्व0 (वाराणसी), संजय विश्व0 (इलाहाबाद), अनिल (साधु) पटेल, राम वर्मा, रवि पाल लोगों के सहयोग से स्वच्छता अभियान का कार्य पूर्ण रूप से सफल रहो टीम के अध्यक्ष ने सहयोग के लिये सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को धन्यवाद दिया।

ज्ञानी जैल सिंह के संघर्षों से प्रेरणा ले विश्वकर्मा समाज– रामआसरे विश्वकर्मा

चन्दौली। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं विश्वकर्मा समाज के गौरव स्व0 ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि समारोह चन्दौली के चकिया स्थित काली मन्दिर प्रांगण में मनाई गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्वमन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा ने ज्ञानी जैल सिह के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्यूतबन्धन विश्वकर्मा जिलाध्यक्ष तथा संचालन सुभाष विश्वकर्मा ने किया।

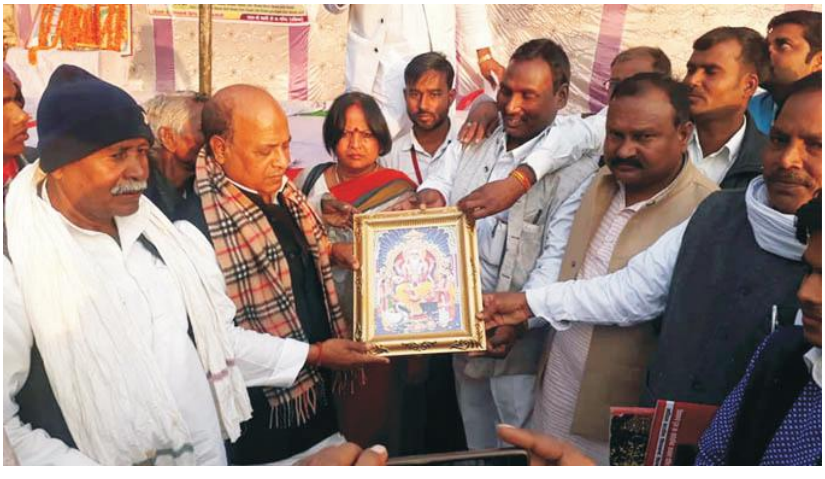

श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों मे सर्वश्री राजेश विश्वकर्मा राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा, पूर्व विधायक पूनम सोनकर, रामअवतार विश्वकर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष, डा0 शिव प्रसाद विश्वकर्मा, कमलेश खाम्बे, नन्दलाल विश्वकर्मा प्रदेश सचिव, यमुना विश्वकर्मा, छन्नूलाल विश्वकर्मा, विवेक विश्वकर्मा जिलाध्यक्ष विश्वकर्मा ब्रिगेड, विष्णु विश्वकर्मा प्रदेश सचिव, हरेन्द्र विश्वकर्मा प्रदेश सचिव प्रमुख रहे।

समारोह को सम्बोधित करते हुये राष्ट्रीय अध्यक्ष राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा परिवार में पैदा अवश्य हुए थे लेकिन वह देश के सभी वर्गों के नेता थे। वह पंजाब के एक गरीब बढ़ई विश्वकर्मा परिवार में पैदा होकर अपने संघर्ष के बल पर पंजाब के मुख्यमंत्री, देश के गृहमंत्री और देश के राष्ट्रपति बने थे। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि यदि मन में दृढ इच्छा शक्ति हो और नेतृत्व के प्रति सच्ची निष्ठा हो तो व्यक्ति संघर्ष के बल पर गरीब और पिछड़ी जाति में पैदा होकर भी देश के बड़े पद पर पहुंच सकता है। इसलिए विश्वकर्मा समाज के लोगों को अपने मन से हीनता निकालनी चाहिए और अपनी पहचान बनाने के लिये कर्म करना चाहिये।

श्री विश्वकर्मा ने कहा कि ज्ञानी जी गरीबों, पिछड़ों और वंचितो के लिये आजीवन कार्य करते रहे। राष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद पर रहते हुये भी राष्ट्रपति भवन में विश्वकर्मा समाज के लोगों के लिये एक अलग कार्यालय सेल बनाया था जिसमें वह देश के गरीब से गरीब व्यक्ति से मिलते थे। उस कार्यालय का प्रभारी डा0 परमानंद पांचाल को बनाया था। ज्ञानी जैल सिंह अंग्रेजी के अच्छे जानकार थे लेकिन सच्चा देशभक्त और हिन्दी प्रेमी होने के कारण हमेशा मातृभाषा हिन्दी में ही अपना सरकारी कामकाज करते थे। एक बार संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं में

ज्ञानी जैल सिंह की 24वीं पुण्यतिथि पर अ0भा0 विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा ने कार्यक्रम आयोजित कर दी श्रद्धांजलि

हिन्दी लागू करने के प्रश्न पर जब विपक्षी दलों द्वारा धरना दिया जा रहा था तो ज्ञानी जी पूर्व राष्ट्रपति होने के बाद भी हिन्दी लागू करने के लिये प्रोटोकॉल तोड़कर संघ लोक सेवा आयोग के सामने धरने पर बैठे थे ताकि गांव के गरीब पिछडे दलित और किसान के लडके हिन्दी माध्यम से परीक्षा देकर आई0ए0एस0 बन सके।

उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा पूरे देश में 25 दिसम्बर को प्रतिवर्ष ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि मना कर उन्हें याद करती है। आज सभी विश्वकर्मा समाज के लोग अपने पूर्वज ज्ञानी जैल सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करें और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लें यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम को सर्वश्री अशोक बागी चेयरमैन, डा0 शिव प्रसाद विश्वकर्मा, अवनीश सोनकर, रामविलास विश्वकर्मा, डा0 जगदीश विश्वकर्मा, शीला विश्वकर्मा, राम आधार, विजय बहादुर विश्वकर्मा, गणेश विश्वकर्मा, जगदीश विश्वकर्मा, सुभाष विश्वकर्मा, विजय विश्वकर्मा, मदनमोहन विश्वकर्मा, शिवकुमार विश्वकर्मा, शैलेश विश्वकर्मा, कमलेश विश्वकर्मा, श्याम बिहारी विश्वकर्मा, राजेन्द्र विश्वकर्मा, सदानन्द विश्वकर्मा, संजू विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा, सौरभ विश्वकर्मा, विपिन विश्वकर्मा, धर्मेन्द्र विश्वकर्मा, नन्दू विश्वकर्मा, किशन विश्वकर्मा, विजय विश्वकर्मा, श्रीप्रकाश विश्वकर्मा सहित अन्य लोगों ने भी सम्बोधित किया।

विश्वकर्मा समाज के गौरव थे ज्ञानी जैल सिंह

बक्सर। अखिल भारतीय बढ़ई महासभा की तरफ से सोहनीपट्टी में पूर्व राष्ट्रपति स्व0 ज्ञानी जैल सिंह की 24वीं पुण्यतिथि मनाई गई। काग्रक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने ज्ञानी जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

पुण्यतिथि समारोह की अध्यक्षता कर रहे ओंकारनाथ शर्मा ने कहा कि ज्ञानी जी आजादी आन्दोलन के भी प्रमुख अंग रहे। उनके संघर्ष को भुलाया नहीं जा सकता। ताराचन्द शर्मा ने कहा कि ज्ञानी जैल सिंह ने अपने संघर्षों के बल पर जो मुकाम हासिल किया वह हम सभी के लिये प्रेरणादायी है।

इस अवसर पर मुन्ना शर्मा, ज्ञानेन्द्र शर्मा, लल्लन शर्मा, अमरनाथ शर्मा, राजकुमार शर्मा, रिटायर्ड एसपी विजय कुमार शर्मा, सिद्धनाथ शर्मा, विजय मास्टर, प्रदीप शर्मा, उमेश शर्मा, जय कुमार शर्मा, बच्चन शर्मा, व्यास शर्मा, मोहन शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

भागलपुर में मनाई गई पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि

भागलपुर। भूतपूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की 24वीं पुण्यतिथि समारोह मनाया गया। यह समारोह बढ़ई पंचायत भवन मोहद्दीनगर भागलपुर में सम्पन्न हुआ। समारोह के आरंभ में स्व0 ज्ञानी जैल सिंह जी के तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्पांजली अर्पित की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि– स्व0 ज्ञानी जैल सिंह, स्वतन्त्र भारत के सातवें राष्ट्रपति हुए। ज्ञानी जैल सिंह आजादी की लड़ाई में भाग लिए, इस दरमियान उन्हें जेल भी जाना पड़ा। स्वतन्त्र भारत में वे देश की कई महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थाओं व पदों को सुशोभित किया। राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने देश में महत्वपूर्ण भूमिका अदा किए। उनका जीवन संघर्ष हमारे समाज के लिए मार्गदर्शन करते रहेंगे।

पुण्यतिथि समारोह को प्रोफेसर रामाश्रय मिस्त्री, प्राचार्य सीताराम शर्मा, दिवाकर शर्मा, नंदकिशोर शर्मा, उमेश शर्मा, विकाश शर्मा, सोनू शर्मा, बजरंगी शर्मा, प्रेम शर्मा, दीपक शर्मा, सूरज शर्मा, आनंदी शर्मा, गोपाल शर्मा, शिवसागर शर्मा, भगवान प्रसाद शर्मा, जगदीश शर्मा, कैलाश शर्मा आदि ने संबोधित किया। समारोह की अध्यक्षता मनोहर शर्मा ने किया।

अखिल भारतीय बढ़ई महासभा ने मनाई पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि

लखनऊ। अखिल भारतीय बढ़ई महासभा के द्वारा पी0एच0डी0 चेंबर ऑफ कामर्स हाल में पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर प्रभु ईशा मसीह की जयन्ती यानि क्रिसमस–डे भी मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन अखिल भारतीय बढ़ई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्राम शर्मा ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रमाशंकर राजभर रहे। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्राम शर्मा ने कहा कि किसी भी जाति का विकास सत्ता में भागीदारी के बिना संभव नहीं है। इस दौरान बढ़ई जाति के विकास के लिए बढ़ई विकास निगम की स्थापना करने और बढ़ई जाति को अनुसूचित जाति में सम्मलित करने की मांग की गई।

विशिष्ट अतिथि के रूप में ओमप्रकाश चोयल राजस्थान, रामेश्वर कुशवाहा, राजेन्द्र कुमार शर्मा वरिष्ट उपाध्यक्ष लखनऊ बार एसोसिएशन, श्याम सुन्दर विश्वकर्मा चेयरमैन नगर पंचायत सेवरहीं, भाजपा नेता राजेन्द्र कुमार शर्मा, रमापति विश्वकर्मा, सुशील शर्मा एड0 वरिष्ट कार्यकारिणी सदस्य, आर0पी0 शर्मा, गौरी शंकर शर्मा, विपिन शर्मा, श्रीराम शर्मा, कमलेश शर्मा, आलोक शर्मा, पुष्पा शर्मा, विनोद शर्मा, रामराज शर्मा, राधे शर्मा, सुरेश विश्वकर्मा थे। अध्यक्षता राम कैलाश शर्मा (अध्यक्ष ककुहांस विश्वकर्मा मंदिर) व संचालन मैयादीन पंचाल ने की।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों ने 'बढ़ई रत्न' पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

इस अवसर पर शयाम विहारी विश्वकर्मा, राम खेलावन शर्मा, नगर अध्यक्ष पवन शर्मा, अनिरूद्ध शर्मा, नथुनी शर्मा, राधे शर्मा, परशुराम शर्मा, शोनु शर्मा, सूर्य देव शर्मा, अवधेश शर्मा, संजय शर्मा, शम्भू शर्मा, झोटिल शर्मा, मनोरंजन कुशवाहा, समसुल हक, शिवमंगल शर्मा, वकील शर्मा, संदीप शर्मा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

Raebareli Road, Utrethiya, Lucknow
Bhavya Decor
Interior's HUB
MODULAR KITCHEN & WARDROBE'S
E-mail: bhavyadecor@yahoo.com , www.bhavyadecor.com
90445 00999

सीतापुर में मनाई गई ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि

सीतापुर। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के तत्वाधान में पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि घूरामऊ बंगला स्थित विश्वकर्मा मन्दिर में मनाई गई। पुण्यतिथि समारोह के मुख्य अतिथि महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अच्छेलाल विश्वकर्मा तथा विशिष्ट अतिथि प्रदेश महासचिव राकेश विश्वकर्मा व अपर जिला मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 डी0के0 शर्मा रहे। उपस्थित सभी अतिथियों व आगन्तुकों ने ज्ञानी जैल सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। अतिथियों ने अपने वक्तव्य में ज्ञानी जैल सिंह के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर राम आसरे शर्मा, राम सुमिरन विश्वकर्मा, सुधीर शर्मा, डा0 शिवनाथ विश्वकर्मा, महानन्द विश्वकर्मा सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। संचालन जिला अध्यक्ष डा0 सन्तोष विश्वकर्मा ने किया।

"Healthcare with Human Touch"
पूर्वांचल का एकमात्र हास्पिटल
यशदीप हास्पिटल
ए मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छोटालालपुर, पाण्डेयपुर, वाराणसी
हम प्रयास करते है वो बचाता है
आर्थो न्यूरो ट्रामा एवं हार्ट-केयर सेन्टर
न्यूरो रोग
माईग्रेन स्पाइन इंजूरी
सिर में चोट ब्रेन ट्यूमर
पैरालिसिस कमर दर्द
मुह का लकवा गर्दन दर्द
स्लिप डिस्क सर्जरी सिर दर्द
आदि का सम्पूर्ण इलाज
Help Line : 8765628771, 8765628772, 8765628773, 8765628774
24 घण्टे सेवा
डॉ0 एस. के. विश्वकर्मा प्रबन्धक निर्देशक
हड्डी जोड एवं नस रोग विशेषज्ञ
डा. पी. एस. वर्मा न्यूरो सर्जन

जौनपुर में आयोजित हुआ विश्वकर्मा महोत्सव-2018

जौनपुर। यमदग्नि ऋषि की तपोभूमि जनपद जौनपुर में बीते 11 नवम्बर, 2018 को रमाशंकर विश्वकर्मा की अध्यक्षता में श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट (रेड ब्रिगेड) जौनपुर द्वारा गोमती पब्लिक स्कूल, छितौना केराकत जौनपुर में महिलाओं के उत्थान के उद्देश्य से आयोजित विश्वकर्मा महोत्सव 2018 का शानदार आयोजन हुआ जो बहुत सफल रहा। ढोल-नगाड़े के साथ सभी अथितियों का स्वागत अपने आप में सभी अतिथियों के लिए एक अलग ही अनुभव रहा। महोत्सव की शुरूआत सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुई। तत्पश्चात आये हुए अतिथियों द्वारा भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का भव्य शुभारम्भ हुआ।

विश्वकर्मा महोत्सव 2018 के शुभ अवसर पर श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट रेड ब्रिगेड की 'स्मारिका-2018' का विमोचन आए हुए सभी अतिथियों द्वारा किया गया। इस स्मारिका में संस्था की जौनपुर कार्यकारिणी, नाशिक कार्यकारिणी, मुंबई कार्यकारिणी तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के साथ-साथ संस्था के द्वारा किये गये अब तक के सभी कार्यों को अंकित किया गया है। सामाजिक संदेशो के साथ विश्वकर्मा समाज के कुछ अनमोल रत्नों को भी इस स्मारिका में सम्मिलित किया गया है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने इस पत्रिका को पढ़ कर रेड ब्रिगेड के हर पहलू से रूबरू हुए।

बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री कंचन विश्वकर्मा (मिस इण्डिया डेलीवुड 2016) ने महोत्सव में सहभागी होकर संस्था व समाज का मान सम्मान बढ़ाया और अपने वक्तव्य में कहा कि, किसी समाज की महिलाओं का शिक्षित होना उस समाज के विकास की पहचान तथा मानक है। विश्वकर्मा समाज की महिलाओं के शिक्षा को स्तरीय तथा गुणवत्ता पूर्ण करने के लिये विश्वकर्मा समाज को अभियान चलाकर प्रयास करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि, विश्वकर्मा समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत है तो बस उनके अंतर्मन के भाव को जाग्रत कर ऊर्जा भरने की।

बेटियां कमजोर नहीं हैं वह भारत की भविष्य हैं तथा आने वाले कल की राष्ट्र निमार्ता हैं।

विश्वकर्मा महोत्सव 2018 में संस्था अपने मुख्य उद्देश्य की पूर्ति करते हुए विश्वकर्मा समाज की 15 गरीब व निराश्रित महिलाओं साधना देवी, गीता देवी, ज्योति देवी, उषा देवी, सुभद्रा देवी, विद्या देवी, रामावती, राधिका, सुनीता शर्मा, सीता देवी, सुनीता देवी, खुशबू देवी, प्रभावती देवी, पूनम देवी को उनके जीविकोपार्जन के लिए सिलाई मशीन प्रदान किया गया।

यह चौथा ऐसा मौका है जब रेड ब्रिगेड जौनपुर ने समाज की महिलाओं के लिए इस तरह का पुनीत कार्य कर पूरे समाज को ऐसा सन्देश देकर समाजसेवा की परिभाषा बदली है। रेड ब्रिगेड विश्वकर्मा समाज की सभी संस्थाओं से अनुरोध करती है कि सभी लोग अपने अपने जनपद में विश्वकर्मा समाज की गरीब महिलाओं को इस तरह की सुविधा मुहैया करवाएं ताकि विश्वकर्मा समाज की गरीब महिलाओं का विकास हो सके।

सिलाई मशीन वितरण के साथ ही संस्था ने अपने दूसरे उद्देश्य की पूर्ति करते हुए विश्वकर्मा महोत्सव-2018 में मेधावी विद्यार्थियों और अप्रतिम प्रतिभाओं को उनके सराहनीय कार्यो के लिए स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर विश्वकर्मा समाज के डॉक्टर, इंजीनियर, राजनैतिक, सामाजिक तथा अन्य विभागों में सेवारत अधिकारियों ने उपस्थित होकर समाज के विकास भावनाओं को बल प्रदान किया।

विश्वकर्मा महोत्सव-2018 के कार्यक्रम को सम्बोधित करने वाले अतिथियों ने समाज उत्थान के लिए कई वक्तव्य कहे। समाज के विभिन्न प्रकार की समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए समाधान का रास्ता दिखाया। सभी वक्तव्यों में रेड ब्रिगेड की भूरी-भूरी प्रशंशा की गयी तथा रेड ब्रिगेड को समाज के लिए सुनहरा भविष्य बताया। ये भी बताया कि ये एक ऐसी टीम है जो हर वक्त समाज के साथ खड़े रहती है चाहे दिन हो या रात। अंत में सभी ने रेड ब्रिगेड से सीखने की बात को कह कर अपना-अपना वक्तव्य समाप्त किया। कार्यक्रम में पधारे संजय सेठ (जेब्रा फाउंडेशन) ने अपने वक्तव्य में सदैव रेड ब्रिगेड के साथ रहने की बात कही।

विश्वकर्मा महोत्सव-2018 में विश्वकर्मा समाज के स्वर साधकों द्वारा देश के विभिन्न राज्यों के भिन्न-भिन्न समारोहों मे अपने स्वर संगीत की

बुलंदियों की परचम लहराने वाली महुआ चैनेल कलाकार मंगला विश्वकर्मा सलोनी, पंचदेव आनंद विश्वकर्मा, वेद प्रकाश शर्मा, धर्मेंद्र विश्वकर्मा और अखिलेश विश्वकर्मा द्वारा भगवान विश्वकर्मा के गीत तथा राष्ट्रभक्ति की मन को विह्वलता प्रदान करने वाला संगीत प्रस्तुत किया गया।

रेड ब्रिगेड तो वैसे समाज के सभी लोगों के सुख-दु :ख में सदैव साथ रहती है, लेकिन कुछ ऐसे दुखद क्षण भी हैं जब रेड ब्रिगेड उन्हें सदैव उन्हें याद (समाजसेवी व कलाकार) द्वारा माल्यार्पण व मार्मिक संगीत द्वारा तथा आये हुए अतिथियों द्वारा 2 मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

स्व0 डॉ0 अरविन्द विश्वकर्मा ने बहुत ही कम उम्र में समाज एवं मरीजों में अपना सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया था और उनके हृदय में स्थान प्राप्त करने के साथ-साथ सामाजिक सेवा में विशेष रुचि एव सहभागिता करते रहे। आज भी उनके वचनों से श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल बैंक), होरी लाल शर्मा (वरिष्ठ समाज सेवी दिल्ली), राम अवतार शर्मा (समाजसेवी, गाजीपुर), कैलाश नाथ विश्वकर्मा (मुख्य सम्पादक तरुणमित्र), प्रेमचंद्र विश्वकर्मा (पूर्व डीन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्व विद्यालय जौनपुर), डा0 कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा (पूर्व मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता) रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ0 गरिमा विश्वकर्मा, डॉ0 अतुल विश्वकर्मा, डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा, डॉ0 एस0के0 विश्वकर्मा, डॉ0 सी0पी0 शर्मा

रखती है। ऐसे ही एक दुखद घटना के प्रति विश्वकर्मा महोत्सव-2018 में लोगों को अवगत कराया गया तथा कार्यक्रम के बीच उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। विश्वकर्मा समाज के प्रतिभावान नव युवक स्व0 डॉ0 अरविन्द कुमार विश्वकर्मा (चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मार्टीनगंज, आजमगढ़) निवासी उतरगावां धमार्पुर, जौनपुर को कार्यक्रम में वेद प्रकाश शर्मा ट्रस्ट के लिए प्रेरणादायक रहेंगे।

महोत्सव में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में सतीश चंद्र विश्वकर्मा (अधिशासी अभियन्ता विद्युत, गोरखपुर), राम आसरे विश्वकर्मा (प्रदेश महासचिव राष्ट्रीय लोकदल), शशिकान्त शर्मा (प्रबन्धक, न्यू स्टैण्डर्ड कालेज ऑफ ग्रुप, रायबरेली), अखिलेश मोहन विश्वकर्मा (प्रदेश अध्यक्ष, इम्प्लाइज एसोसिएशन भारतीय स्टेट (पूर्व विशेष सचिव विधानसभा, लखनऊ), राजेश विश्वकर्मा (राष्ट्रीय महासचिव, अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा), राम किशोर विश्वकर्मा, सुबाष विश्वकर्मा (उर्दू बाजार, जौनपुर), चन्द्रभान शर्मा (समाजसेवी, दिल्ली), सुजीत विश्वकर्मा (अवर अभियन्ता), ह ंसराज विश्वकर्मा (जिलाध्यक्ष भाजपा), संतोष विश्वकर्मा, रोहित शर्मा सिराथू, विद्यानन्द विश्वकर्मा

(समाजसेवी, वाराणसी), हीरालाल विश्वकर्मा (प्रधान सहायक), रामसमुझ विश्वकर्मा (समाजसेवी व उद्योगपति, मुम्बई), संगीता विश्वकर्मा (पूर्व प्रत्याशी रोहनिया विधानसभा वाराणसी), विकास विश्वकर्मा (सहायक लेखाकार) सभी उपस्थित होकर समाज का मार्गदर्शन किये।

मुम्बई महानगर की कई बड़ी संस्थाओं के वरिष्ठ समाजसेवियों ने भी समाज के भाईचारे को बनाने के लिए इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। राष्ट्रवादी जनशक्ति पार्टी के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजेश विश्वकर्मा भी इस ऐतिहासिक समारोह के गवाह बने। उन्होंने श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट रेड ब्रिगेड की पत्रिका का विमोचन और समाज की गरीब महिलों को सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम में सभी अतिथियों के साथ सहभागिता निभाई। राष्ट्रवादी जनशक्ति पार्टी के पूर्वांचल प्रभारी विशोक विश्वकर्मा भी अन्य पदाधिकारियों के साथ उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाया।

विश्वकर्मा महोत्सव 2018 को सफल बनाने हेतु विगत रेड ब्रिगेड जौनपुर के ट्रस्टी भानु प्रकाश विश्वकर्मा, डॉ0 पी0के0 संतोषी विश्वकर्मा, राष्ट्रीय सचिव अनिल विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा, डॉ0 रवीन्द्र प्रताप विश्वकर्मा, राकेश विश्वकर्मा, आशीष विश्वकर्मा, कृष्णचंद्र विश्वकर्मा, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, दयाशंकर विश्वकर्मा, पंकज विश्वकर्मा, जयप्रकाश विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, दिलीप विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा तथा जौनपुर रेड ब्रिगेड की पुरी टीम ने रात-दिन मेहनत कर अपना योगदान दिया।

प्रांजलि शर्मा ने बैडमिन्टन में फैजाबाद जिले में फहराया परचम

फैजाबाद। रोटरी क्लब, फैजाबाद द्वारा जिला बैडमिन्टन टूनार्मेन्ट, का आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम, मकबरा, फैजाबाद मे बीते नवम्बर माह में आयोजित किया गयो इस आयोजन में प्रांजलि शर्मा ने महिला वर्ग के 15 आयु वर्ग में फाइनल एकल मुकाबले में 21-9 अंकों से सीधे सेट में मनु शर्मा को हरा कर विजेता हुई।

बता दें कि प्रांजलि शर्मा फैजाबाद के ही सनबीम स्कूल में कक्षा 9वीं की छात्रा है। प्रांजलि के दादा मेवालाल विश्वकर्मा (अहरौरा, मिजार्पुर) प्रख्यात समाजसेवी हैं। प्रांजलि के पिता डा0 अनिल कुमार शर्मा राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं। प्रांजलि के दादा और पिता दोनों ही समाजसेवा में काफी रूचि रखते हैं।

फैजाबाद जिले में प्रांजलि ने बैडमिन्टन में जो मुकाम हासिल किया है उसके लिये अपने दादा सहित पूरे परिवार का आशिर्वाद मानती है। वह राष्ट्रीय स्तर पर बैडमिन्टन में नाम रोशन करना चाहती है जिसके लिये तैयारी भी कर रही है।

प्रांजलि की सफलता पर डा0 रमेश वर्मा, मनोज कुमार विश्वकर्मा, इं0 राम सुन्दर विश्वकर्मा, रंजीत शर्मा, महेश शर्मा सहित समाज के लोगों ने शुभकामनाएं दी है।

'विश्वकर्मा किरण' पत्रिका परिवार की तरफ से भी प्रांजलि शर्मा को शुभकामनाएं।

Raebareli Road, Utrethiya, Lucknow
Bhavya Decor
Interior's HUB
MODULAR KITCHEN & WARDROBE'S
E-mail: bhavyadecor@yahoo.com , www.bhavyadecor.com
90445 00999

बढ़ते अपराध के खिलाफ विश्वकर्मा समाज ने खोला मोर्चा

बेगुसराय। जिले में बढ़ते अपराध के खिलाफ विश्वकर्मा समाज के कार्यकताओं ने मोर्चा खोलते हुए एसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। विश्वकर्मा काष्ठ शिल्पी विकास समिति के बैनर तले शहर में जुलूस निकाल कार्यकर्ताओं ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हरहर महादेव चौक से जुलूस निकाल मेन रोड होते हुए कार्यकर्ता एसपी कार्यालय पहुंचे। नेतृत्व जिला उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, सत्येन्द्र शर्मा पप्पू, आमोद कुमार शर्मा, संतोष शर्मा, संजय प्रकाश शर्मा, जिला सचिव वशिष्ठ शर्मा कर रहे थे।

प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ता जिला प्रशासन होश में आओ, बढ़ते अपराध पर लगाम लगाओ, एसपी भैया न्याय दो आदि नारे लिखी तख्ती लिए हुए थे। प्रदर्शनकारी रावाड़ावा में बदमाशों के हाथों गोली से जख्मी वीरेन्द्र शर्मा को मुआवजा देने, घटना में शामिल बदमाशों को अविलंब गिरफ्तार करने, देवना में एक विवाहिता के साथ छेड़छाड़ करने के विरोध में महिला की हत्या करने वाले बदमाशों को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि विश्वकर्मा समाज के लोगों पर हमला बढ़ा है। जिले में हत्या, बलात्कार, लूट, छिनतई की घटना में इजाफा हुआ है। अगर आपराधिक घटनाओं पर रोक नहीं लगी तो विश्वकर्मा काष्ठ शिल्पी विकास समिति के बैनर तले उग्र आंदोलन करने को वे लोग बाध्य होंगे। इस दौरान पांच लोगों का प्रतिनिधिमंडल एसडीपीओ हेड क्वार्टर को मांगों के समर्थन में ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान राजकिशोर शर्मा, विधान प्रिय रंजन, चंद्रदेव शर्मा, वैद्यनाथ शर्मा, शोषित-पीड़ित दल के केदार नाथ भास्कर, उमेश पटेल, रामनंदन शर्मा, नीरज शर्मा, भूषण शर्मा, बलराम शर्मा, भरत शर्मा, रामाज्ञा शर्मा, कन्हैया शर्मा, राजू ठाकुर, रामउदय शर्मा सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

विश्वकर्मा समाज ने 500 जरूरमंदो में बांटा कंबल

सोनभद्र। लगातार बढ़ती ठंड व गलन को देखते हुए श्री विश्वकर्मा समाज ओबरा के तत्वावधान में रेणुकापार के दुर्गम क्षेत्र जुगैल, खरहरा,लालमटिया गांव में सेवा कार्यक्रम के तहत लगभग पांच सौ जरूरतमंदों में कंबल वितरित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दुर्गम क्षेत्र लालमटिया गांव से किया गया। इस दौरान विश्वकर्मा समाज द्वारा जल्द निशुल्क मेडिकल कैम्प के भी आयोजन की बात कहीं। उन्होंने बताया कि रेनुकापार भाट क्षेत्र में कहे जाने पर जुगैल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चर्म रोग विशेषज्ञ ड रूपेश बाजपई व फार्मासिस्ट हेमंत शर्मा ने पूर्ण सहयोग की सहमति जताई। इस मौके पर अजीत शाहू, धर्मेन्द्र शर्मा, रमेश सिंह यादव, नपं अध्यक्ष प्रानमती देवी, अरुण विश्वकर्मा, आदित्य विश्वकर्मा, इं संतोष विश्वकर्मा, इं वीके धीमान, संजय विश्वकर्मा, पशुपतिनाथ विश्वकर्मा, इं राजकुमार विश्वकर्मा, बीडी विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

विश्वकर्मा जयंती पर समाज के युवा करेंगे रक्तदान

चित्तौड़गढ़। लोहार समाज का संभाग स्तरीय महासम्मेलन मातृकुंडिया में समाज की धर्मशाला में हुआ इसमें चित्तौड़गढ तहसील युवा संगठन ने महासम्मेलन में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। चित्तौड़ तहसील से अध्यक्षता करते हुए ओमप्रकाश गढ़वाल भादा ने युवाओं को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया।

समाज सेवी नरेंद्र सांवता ने बताया कि पीजी कॉलेज के पूर्व छात्रसंघ सचिव शांतिलाल लोहार ने आगामी विश्वकर्मा जयंती पर चित्तौड़ तहसील के नेतृत्व में जिला स्तरीय रक्तदान शिविर करने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। साथ ही युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग का संकल्प दिलाया।

सम्मेलन में सर्वश्री गोवर्धन लोहार, किशन लोहार, राकेश लोहार, ललित लोहार, राधेश्याम लोहार चन्देरिया, नारायणलाल लोहार, राजकुमार लोहार, नारू लोहार, कालू लोहार ने विचार रखे। इस अवसर पर काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बैली डांस में चैम्पियन बनी माधुरी शर्मा 20 भाषाओं में गाकर किया परफॉर्म

माधुरी शर्मा इससे पहले वर्ष 2017 में लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम 'एरियल बैली डांस' में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर दर्ज करा चुकी हैं। हाल ही 2018 में उनका अपना गाया हुआ सांग 'इण्डियन ब्यूटी' काफी चर्चा में रहा है। इससे पहले टीवी रियलिटी शोज 'एन्टरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा सीजन-5' की फाइनलिस्ट रह चुकी हैं।

गंगापुर सिटी। राजस्थान के गंगापुर सिटी की बेटी डॉ0 माधुरी शर्मा ने बीस भाषाओं में गाने के साथ बैली डांस कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर 'वर्ल्ड बुक ऑफ लंदन' में नाम दर्ज कराया है। इसके लिए उन्हें प्राइड ऑफ इण्डिया अवार्ड से नवाजा गया है। इससे पहले एरियल बैली डांस में माधुरी वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी हैं। जयपुर के मान पैलेस में बीते 2 दिसम्बर 2018 को हुए एक कार्यक्रम में माधुरी की प्रस्तुति पर वर्ल्ड बुक रिकॉर्ड की टीम ने माधुरी को वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रोविजनल सर्टिफिकेट मौके पर ही दिया। माधुरी को वर्ल्ड रिकॉर्ड का फाइनल सर्टिफिकेट वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन ने 22 दिसम्बर को इन्दौर में बॉलीबुड म्यूजिक आइकॉन बप्पी लहरी और वर्ल्ड बुक रिकॉर्ड लन्दन के चेयरमैन डॉ0 दिवाकर शुक्ला ने दिया। इस दौरान डॉ0 माधुरी शर्मा को वर्ल्ड बुक रिकॉर्ड और प्राइड ऑफ इण्डिया के अवार्ड से भी नवाजा गया।

माधुरी शर्मा की उपलब्धि पर वीरेन्द्र शर्मा मेम्बर ऑफ ब्रिटिश पार्लियामेंट ने बधाई दी है। डॉ0 माधुरी शर्मा ने सर्वाधिक अन्तरराष्ट्रीय भाषाओं में गाते हुए बैली डांस कर वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। माधुरी ने 20 देशों की भाषाओं में गाते हुए बैली डांस परफॉर्म किया। यह एक नान स्टॉप परफॉर्म था। माधुरी शर्मा ने लगातार 21 मिनट 46 सेकेण्ड तक परफॉर्म किया।

पहले भी बना चुकी हैं रिकॉर्ड—

माधुरी शर्मा इससे पहले वर्ष 2017 में लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम 'एरियल बैली डांस' में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर दर्ज करा चुकी हैं। हाल ही 2018 में उनका अपना गाया हुआ सांग 'इण्डियन ब्यूटी' काफी चर्चा में रहा है। माधुरी शर्मा इससे पहले टीवी रियलिटी शोज 'एन्टरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा सीजन-5' की फाइनलिस्ट रह चुकी हैं। साथ ही 'इण्डियाज गॉट टेलेन्ट एवं जस्ट डांस' आदि रियलिटी शोज से फेम कमा चुकी हैं। डॉ0 माधुरी शर्मा ने हिन्दी, बंगाली, इंग्लिश, नेपाली, पर्शियन, एशियन, टर्किश, ग्रीक, जापानी, कोरियन, तैगलॉग, सर्वियन, स्पेनिश, इटालियन, अरेबिक, उजवेक, थाई, चाइनीज, फ्रेंच एवं तमिल भाषा में गीत गाकर डांस की प्रस्तुति दी।

'विश्वकर्मा किरण' पत्रिका परिवार की तरफ से माधुरी शर्मा को बहुत—बहुत बधाई।

ईंट-पत्थरों को ठोकरें मारने वाला शिवम पांचाल बना फुटबॉल खिलाड़ी, जीता गोल्ड मेडल

पानीपत। सुविधाओं के अभाव में कोई कैसे कामयाबी पा सकता है, इसकी प्रेरणा तो कोई 20 वर्षीय शिवम पांचाल से ले। 15 साल पहले वह नूरवाला की हरि सिंह कॉलोनी की कच्ची गलियों में पड़े ईंट पत्थरों को ठोकरें मारता फिरता था। मां डांटती थी, लेकिन टेलर पिता मनोज पांचाल इस हुनर को पहचान तो गए और बेटे को फुटबॉल से जोड़ दिया। पढ़ाई में होशियार व खेलों में शानदार प्रदर्शन की बदौलत शिवम आज पढ़ने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर 5 गोल्ड व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 2 सिल्वर व 1 ब्रॉन्ज मेडल जीत चुका है। अब ओलंपिक में मेडल जीतना ही उद्देश्य बनाया है।

घर के हालातों की बात की जाए तो मनोज पांचाल खुद की बीमारी की दवा लेने के बाद जो पैसे बचते उससे तो उसके घर की दाल रोटी भी मुश्किल है। ऐसे हालातों में शिवम चौथी तक चेतना परिवार के स्कूल में मुफ्त पढ़ा। चौथी में स्कॉलरशिप टेस्ट पास करके 12वीं तक पूजा इंटरनेशनल स्कूल में उसी के सहारे और खेल कोटे से पढ़ाई पूरी की। बीए व बीपीएड की पढ़ाई पूरी करने के लिए खेल कोटे में दिल्ली के साउथ कैंपस स्थित मोती लाल नेहरू कॉलेज में दाखिला लिया है। अब फस्ट ईयर के पेपर हैं।

शिवम का अब तक का सफर—

शिवम ने बताया कि पहली बार 8वीं में खेलने का मौका मिला तो उसी

फाइल फोटो

खेल के दौरान दिल्ली की प्राइड स्पोर्ट्स एकेडमी ने चयनित कर लिया तो पहली बार कोच मिला। 2015 में नासिक में खेलकर टीम को गोल्ड मिला। इसके बाद अहमदाबाद में हुई राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अंडर-19 फुटबॉल टीम में जगह पाई। 2015 में जकार्ता में हुए खेल में सिल्वर जीतने की बदौलत स्पेन में भी खेला। 2016 में श्रीलंका में टीम ने सिल्वर मेडल जीता।

टांग में लगे करंट से भी कम नहीं हुए हौसले—

शिवम ने बताया कि 2016 में इंडोनेशिया खेलने जाने से पहले दाईं टांग में करंट लग गया। यह झटका शरीर में कमजोरी करने के साथ-साथ जीवन के सपनों पर पानी फेर सकता था, लेकिन इससे हार नहीं मानी। कोच ने लग्न व हिम्मत को देखते हुए स्ट्राइकर से हटाकर कीपर की जिम्मेदारी दी। टीम ने पहले मैच में हांगकांग को 3-1 से पराजित किया। दूसरे मैच में पेनल्टी कॉर्नर से इंडोनेशिया को हराया।

Raebareli Road, Utrethiya, Lucknow
Bhavya Decor
Interior's HUB
MODULAR KITCHEN & WARDROBE'S
E-mail: bhavyadecor@yahoo.com , www.bhavyadecor.com
90445 00999

रिषभ विश्वकर्मा ने साथियों के साथ बनाया कमाल का हेलमेट, बिना लगाये आगे नहीं बढ़ेगी बाइक

कानपुर। यातायात नियमों के तहत बाइक चलाते समय हेलमेट लगाना यूं तो अनिवार्य है, लेकिन तमाम लोग इसकी अनदेखी करते हैं। जरा यह कल्पना करके देखिए कि अगर बिना हेलमेट पहने आपकी बाइक एक इंच भी हिलने से इन्कार कर दे तो! यह अब कल्पना भर नहीं है बल्कि हकीकत बन चुकी है। दिल्ली पब्लिक स्कूल कल्याणपुर के 12वीं के छात्र रिषभ विश्वकर्मा ने अपने सहपाठी के साथ मिलकर एक ऐसा स्मार्ट हेलमेट बनाया है जिसे बिना पहने आपकी बाइक नहीं चलेगी।

हेलमेट में लगे सेंसर बाइक के की-इग्नीशन को सिग्नल देंगे जिसके इशारे पर गाड़ी आगे बढ़ेगी। बाइक के मॉड्यूल को हेलमेट के मॉड्यूल से जोड़कर यह स्मार्ट हेलमेट बनाया गया है। इस हेलमेट को बनाने में छात्रों को एक साल का समय लगा। इस शोध कार्य के अन्तर्गत उन्होंने हेलमेट के अंदर ऐसे टैब व सेंसर लगाए हैं जो ट्रांसमीटर के जरिए इग्नीशन को संदेश भेजने का काम करते हैं।

हेलमेट में लगे सेंसर बाइक के की-इग्नीशन को सिग्नल देंगे जिसके इशारे पर गाड़ी आगे बढ़ेगी। बाइक के मॉड्यूल को हेलमेट के मॉड्यूल से जोड़कर यह स्मार्ट हेलमेट बनाया गया है। इस हेलमेट को बनाने में छात्रों को एक साल का समय लगा। इस शोध कार्य के अन्तर्गत उन्होंने हेलमेट के अंदर ऐसे टैब व सेंसर लगाए हैं जो ट्रांसमीटर के जरिए इग्नीशन को संदेश भेजने का काम करते हैं। बाइक को माइक्रो कंट्रोलर से जोड़ा गया है जो वाहन चालक के हेलमेट लगाने पर काम करना शुरू कर देता है। छात्रों की इस खोज को आइआइटी ने चुना है। आइआइटी टेककृति में स्मार्ट हेलमेट ने देशभर से आए छात्र-छात्राओं के अनुसंधानों को पीछे छोड़ते हुए टॉप थ्री में अपनी जगह बनाई।

शराब पीकर बाइक नहीं चला सकेंगे—

यह स्मार्ट हेलमेट शराब पीकर बाइक चलाने वालों को भी रोकेगा। हेलमेट में एल्कोहल सेंसर लगा है जो 250 से 300 यूनिट एल्कोहल से ऊपर सेवन करने पर बाइक को स्टार्ट होने से रोक देता है। इसके अलावा इसमें एक एक्सीडेंट केयर मॉड्यूल भी लगाया गया है जो दुर्घटना के दौरान परिजन, पुलिस व एंबुलेंस को संदेश भेजता है। इस मॉड्यूल में एक्सलरो मीटर सेंसर लगा है जो ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशन (जीपीएस) सिस्टम के तहत काम करता है।

बाइक मॉड्यूल में मोबाइल नंबर फीड किए जाते हैं जिन पर दुर्घटना होने की सूरत में संदेश जाता है। स्मार्ट हेलमेट बनाने वाले रिषभ विश्वकर्मा व रंकित सिंह ने बताया कि इस खोज को पेटेंट करने के लिए दस्तावेज तैयार कर लिए गए हैं। आइआइटी से इसका पेटेंट कराएंगे। इसकी स्वीकृति मिल गई है।

ढाई हजार रुपये की कीमत में मिलेगा हेलमेट—

रिषभ विश्वकर्मा ने बताया कि स्मार्ट हेलमेट बनाने में पांच हजार रुपये का खर्च आया है, क्योंकि मॉड्यूल, सिम व प्रोग्रामिंग के लिए तीन से चार माइक्रो कंट्रोलर खरीदे गए। अब इंटीग्रेटेड सिम आने लगा है, वहीं मॉडीफाई करके एक माइक्रो कंट्रोलर में इसे बनाया जा सकता है। उपभोक्ता के हाथ तक पहुंचने में इसका खर्च ढाई हजार रुपये आएगा जो कि एक सामान्य अच्छी गुणवत्ता के हेलमेट का होता है। वर्तमान स्थिति के लिये यह एक बेहतरीन उत्पाद है।

प्रसिद्ध गायिका पूनम विश्वकर्मा को मिला 'लोक संगीत गौरव सम्मान'

संगीत व गायकी के क्षेत्र में पूनम विश्वकर्मा ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने संगीत क्षेत्र में एक लेखक के रूप में काम शुरू किया था, आगे चलकर वह गायिका के रूप में भी मशहूर हो गई।

जौनपुर। कार्तिक पूर्णिमा व देव दीपावली के शुभ अवसर पर जौनपुर पधारी लेखक व गायिका पूनम विश्वकर्मा को 'लोक संगीत गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट (रेड ब्रिगेड) जौनपुर द्वारा उन्हें प्रदान किया गया।

ट्रस्ट की तरफ से इं0 विभोर विश्वकर्मा, भानुप्रकाश विश्वकर्मा, डा0 पी0के0 सन्तोषी आदि ने पूनम विश्वकर्मा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूनम विश्वकर्मा के पिता डा0 रामजीत विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे। पूनम विश्वकर्मा भोजपुरी व अवधी की मशहूर लेखिका व गायिका हैं। भगवान विश्वकर्मा के भजनों की सबसे बड़ी श्रृंखला भी पूनम विश्वकर्मा के ही नाम है।

वधू चाहिये

Name	:	Ajit Vishwakarma
Father's Name	:	Sh. Ram Vilash Vishwakarma
Date of Birth	:	23 April 1992
Birth Place	:	Mumbai
Birth Time	:	04.00 AM
Height	:	5'11" (Five Feet Eleven Inch)
Complexion	:	Fair
Caste	:	Vishwakarma (Lohar)
Gotra	:	Shandilya
Qualification	:	B.Tech (C.S.)
Father's Occ.	:	SDO BSNL Lucknow
Present Address	:	8-C/530, Vrindavan Yojana-2 Raebareli Road, Lucknow
Native Place	:	Jaunpur (U.P.)
Contact	:	09415055077, 09454959077
Note	:	Longer, fair, beautiful and job priority.

-विशेष अनुरोध-

प्रिय बन्धुओं, सादर विश्वकर्माभिवादन!

आप सभी जानते हैं कि ''**विश्वकर्मा किरण**'' हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशन के 19वें वर्ष में चल रही है, जो समाज के अधिकांश समाचारों, विचारों और लेखों के साथ आप सभी के बीच एक पहचान बना चुकी है। पत्रिका ने समाज के हर छोटे-बड़े समाचारों, लेखकों के विचार, समाज के कवियों और साहित्यकारों को तवज्जो दिया है। अधिकांश पाठक और शुभचिन्तक यह अच्छी तरह जानते हैं कि समाचारपत्र अथवा पत्रिका प्रकाशन का कार्य बहुत ही कठिन है। प्रकाशन में बहुत खर्च आता है जिसका संकलन बहुत ही कठिनाई से हो पाता है, इन्हीं परिस्थितियों में कभी-कभार प्रकाशन बाधित भी हो जाता है। प्रकाशन बिना आप सभी के सहयोग के नहीं चल सकता। आप सभी से अनुरोध है कि सदस्यता के अलावा भी समय-समय पर यथासम्भव पत्रिका का आर्थिक सहयोग करते रहें जिससे प्रकाशन निर्बाध रूप से चलता रहे।

सहयोग राशि इस खाते में जमा करें-

Account Name	:	VISHWAKARMA KIRAN
Account No.	:	4504002100003269
Bank Name	:	PUNJAB NATIONAL BANK
Branch	:	SHAHGANJ, JAUNPUR (U.P.)
IFSC Code	:	PUNB0450400

Wisdom Way Progressive Inter College

Matiyari Crossing, Faizabad Road, Chinhat, Lucknow

(Affiliated with U.P. Board, Allahabad)

&

New Wisdom Way Progressive Inter College

Eldeco Tiraha, Malhour Road, Chinhat, Lucknow

(Affiliated with U.P. Board, Allahabad)

Rakesh Vishwakarma

Manager

Contact- 09415109193

TM VEW Vishwakarma Engineering Works

ALL KIND OF NEW MACHINERY
TEXTILE MACHINES &
ALL VALUE ADDED FABRIC MACHINES MANUFACTURER

BSCIC NABCB ISO 9001 REGISTERED

Vijay R. Mistry
Mob.-9825154496

VISHWAKARMA ENGINEERING WORKS

Shearing Machine

Warr Center Cutting Machin

Warp Butta Cutting Machine

Roll Press Machine

Calendar Machine
& Bags Polish

Five Roll Calendar
& Iron Press Mac

-Office Address-

Plot No.64, Vinayak Chambers, Jawahar Road, Road No.– 4, Udhna Udhyog Nagar, Surat–394210 (Gujarat)
Factory-Plot No.B/1,73-74,Bhagwati Ind. Estate, Nr Navin Flourine Colony, Bhestan, Surat.
PHONE NO. : +91-261-2274380, CELL : +91-9825154496,
e-mail address : vijayr.mistry@yahoo.com website : http://vishwakarmaengineering.com
http://www.vishwakarmaengineeringwork.in/ http://www.vishwakarmaengineeringwork.com/
https://www.youtube.com/channel/UCdpT7D2K_DHwXGYnZ-Qo_Iw

विश्वकर्मा किरण हिन्दी साप्ताहिक
R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157
जौनपुर, 7 जनवरी, 2019